

रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

मुख्यमंत्री ने बताया कि जेपीएससी से जुड़े मामलों की जांच चल रही है। सरकार इस पूरे विवाद को समाप्त करने के लिए जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे को लेकर उन्होंने राज्यपाल से भी बातचीत की है।

PR.No.- 386744 (IPRD) 2026-27

जिला स्वास्थ्य समिति एवं टास्क फोर्स की बैठक

उपायुक्त ने स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा कर दिए सख्त निर्देश

नवप्रदेश/बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष्मान भारत योजना, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, 108 एम्बुलेंस सेवा और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के कार्यों की गहन समीक्षा की गई।आर्म्ड व्यक्ति तक पहुंचने स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उपायुक्त ने बैठक को संबोधित करते हुए दो टुक शब्दों में कहा कि आमजन को बेहतर एवं



गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ हर एक पात्र नागरिक तक समयबद्ध और पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचना चाहिए। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों की सूरत बदलने पर जोर देते हुए डीसी ने निर्देश दिया कि सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आयुष्मान भारत समेत विभिन्न योजनाओं की प्रभावी ब्रांडिंग को लागू करें। इसके तहत प्रवेश द्वार (एंट्री

सेक। बैठक के दौरान प्रसव पूर्व जांच , नियमित टीकाकरण और संस्थानात प्रसव जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि इन सभी कार्यक्रमों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए ताकि निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरे हो सकें। साथ ही सभी स्वास्थ्य संस्थानों से समय पर रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा गया।

करते हुए 108 एम्बुलेंस सेवा के संचालन को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि जिले में उपलब्ध सभी एम्बुलेंस का सुचारू संचालन सुनिश्चित हो। सड़क दुर्घटनाओं या

अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को त्वरित राहत पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस के रिस्पॉन्स टाइम में उल्लेखनीय सुधार लाया जाए। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के संचालन, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (उल्टड) की तैनाती, आवश्यक मानव संसाधन और चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी स्वास्थ्य संस्थानों में रख-रखाव, अस्थि प्रयोग के सुव्यवस्थित संधारण और उच्च कोटि की सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के अंत में डीसी ने स्पष्ट किया कि सभी अधिकारी दिए गए

निर्देशों का गंभीरता से अनुपालन करें और तय समय-सीमा के भीतर विस्तृत अनुपालन प्रतिवेदन सौंपें। उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य कर जिले की चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाएं। इस उच्चस्तरीय बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला आरसीएच पदाधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

समाज कल्याण एवं आईसीडीएस योजनाओं की समीक्षा- उपायुक्त ने दिए शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश

नवप्रदेश/बोकारो। समाहरणालय स्थित सभागार में बुधवार को उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग (समाज कल्याण एवं समेकित बाल विकास सेवा-आईसीडीएस) से संबंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सामर ऐप, पोषण ट्रेकर ऐप, आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यप्रणाली तथा विभिन्न लंबित मामलों की परियोजनावार गहन समीक्षा की गई।

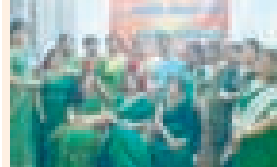


इस बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजुमदार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता समेत सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्ववक्षक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को निर्देश

दिया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र से न्यूनतम पांच पात्र लाभपु्कों के आवेदन ऑनलाइन कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश देते हुए कहा कि योजना के अंतर्गत 'ड्यू लिस्ट' में लंबित 4,366 आवेदनों का शीघ्र निषादन किया जाए। इनमें से 356 आवेदन अगले 30 दिनों के भीतर लैप्स होने की स्थिति में हैं। उपायुक्त ने ऐसे सभी आवेदनों का तीन दिनों के भीतर निषादन करते हुए लंबित मामलों को शून्य करने का सख्त

निर्देश दिया। साथ ही, प्री-रजिस्ट्रेशन के सभी लंबित मामलों का त्वरित निराकरण कर उन्हें पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए ताकि किसी भी अधिकारी के लागिंन में एक भी आवेदन लंबित न रहे। 'सामर ऐप' की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्रों में नामांकित सभी बच्चों की प्रविष्टि ऐप में अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए। साथ ही, कुपोषित बच्चों से संबंधित सभी लंबित फॉलो-अप कार्यों का दस दिनों के भीतर निषादन सुनिश्चित करने को कहा गया।

स्वदेशी जागरण मंच के तत्त्वधान में मना महिला सावन मिलन



बोकारो। स्वदेशी जागरण मंच के महिलाओं द्वारा प्रत्येक वर्ष की भाँति इस बार भी सावन महोत्सव के कार्यक्रम का आयोजन किया गया क सेक्टर वन सी स्वदेशी जागरण मंच के कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन पूनम सिन्हा और मनोरमा चौधरी द्वय के संयोजन में किया गया। सभी महिलाओं ने हरे रंग के परिधान में सजधज कर भाग लिया क कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने मेहंदी,गीत-संगीत, नृत्य एवं क्विज प्रतियोगिता का अनुपम,मनमोहक संगम प्रस्तुत किया क इस अवसर पर महिलाओं ने रमैं भी स्वदेशी समर्थक र अभियान के लिंक पर क्लिक कर मैं भी स्वदेशी समर्थक अभियान को गति प्रदान किया एवं और भी लोगों को इस अभियान से जोड़ने पर बल दिया क इस मौके पर पूनम सिन्हा ने कहा कि सावन के मौसम में प्राकृतिक का मनोरम रूप देखने को मिलता है। इस मौसम में धरती हरियाली की चमक आहू लेती है। इस कार्यक्रम में पूनम सिन्हा, मनोरमा चौधरी, अंजुजा सिंह, अनीता सिंह, ज्योति नाथ, आशा सिन्हा, वंदना वर्मा ,ममता वर्मा, प्रतिमा प्रसाद, नीलम सिंह, दीपाश्री बोराल, पूनम सिंह, सरिता श्रीवास्तव, विनीता श्रीवास्तव,मंजू पोद्दार, उर्मिला पांडेय आदि महिलाओं ने भाग लिया

जीवन बीमा निगम में हिस्सेदारी बेचने के विरोध में हजारीबाग मंडल के 37 कार्यालयों में प्रदर्शन

नवप्रदेश/धनबाद। केंद्र सरकार द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम में और अधिक हिस्सेदारी बेचने की घोषणा के खिलाफ बुधवार को पूरे जिले में बीमा कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ के आह्वान पर हजारीबाग मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी 37 कार्यालयों में भोजनावकाश के समय द्वार पर खड़े होकर नारेबाजी की गई। सरकार ने 3 अगस्त 2026 को जीवन बीमा निगम के अंश बेचने की पेशकश की घोषणा की है। इसके अंतर्गत कंपनी की कुल चुकता पूंजी का 2.5 प्रतिशत अंश

पहले चरण में और अतिरिक्त 4 प्रतिशत अंश वैकल्पिक बिक्री के जरिए बेचे जाएँ। इस प्रकार कुल 6.5 प्रतिशत तक अंशों की बिक्री हो सकती है। इसी के विरोध में कर्मचारियों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया। बीमा कर्मचारी संघ हजारीबाग मंडल के मंडलीय महासचिव जयदीप चंद मित्तल ने कहा कि सरकार का यह निर्णय उसकी आर्थिक प्रबंधन की असफलता को उजागर करता है। निवेश बढ़ाने और रोजगार देने में विफल रहने के बाद अब सरकार राजकोषीय घाटे को पाटने के लिए देश की सबसे विश्वसनीय

सार्वजनिक संस्था को बेचने पर आमदा है।मंडल अध्यक्ष हेमंत मिया ने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष में ही सरकार 7 सार्वजनिक उपक्रमों के अंश बेचकर 21 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटा चुकी है। यह देश की बहुमूल्य संपत्तियों को बेचने जैसा है।संगठन सचिव अर्जुन कुमार ने कहा कि जीवन बीमा निगम केवल लाभ कमाने वाली संस्था नहीं है। यह करोड़ों बीमाधारकों के विश्वास और बचत से बनी राष्ट्रीय संस्था है।इसे कमजोर करना देशहित में नहीं है। इस प्रदर्शन को सफल बनाने में अमित कुमार, जोगेश्वर

राम, सुरेश कुमार, सुबीर राम, नीरज कुमार, रakesh कुमार, राहुल प्रसाद, जितेंद्र प्रसाद, खड्गबू कुमारी, मनोज कुमार, शर्मिला सरकार, अनंन सिंह, चंदन मोहत्रा, गोपाल कुमार, पिटू कुमार, सुशील कुमार भगत, वीरेंद्र बराट, संजय बहादुर, संजय कुमार पाठक, सपन कुमार दास, रवींद्र दुवे, ज्योति सिंह, निशेष कुमार, अनंत मिश्रा, आशीष रंजन और अमरजीत राजवंशी सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए।कर्मचारियों ने सरकार से मांग की कि अंश बिक्री का निर्णय तुरंत वापस लिया जाए।

नेतृत्व की उपेक्षा बताते हुए कड़ी निंदा की। कहा गया कि इस तरह की गतिविधियों से कार्यकताओं में भ्रम फैलता है और पार्टी की छवि खराब होती है। सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर पार्टी के संघर्ष नेतृत्व से मांग की गई कि गुटबाजी फैलाने और अनुशासन तोड़ने वालों पर पार्टी सिवधान के अनुसार कार्रवाई हो।अंत में सभी नेताओं ने एकजुट होकर काम करने और पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया।

धनबाद में राजद की बैठक, संगठन को बूथ तक मजबूत करने का संकल्प

नवप्रदेश/धनबाद। राष्ट्रीय जनता दल धनबाद जिला की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को सर्किट हाउस में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप यादव ने की।बैठक में जिला के सभी मुख्य पदाधिकारी और प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मौजूद रहे। इनमें उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिवों के साथ पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के सच्येंद्र शर्मा, किसान प्रकोष्ठ के शिवजी यादव, महिला प्रकोष्ठ की अनवरी खातून, युवा प्रकोष्ठ के प्रवीण ठाकुर और छात्र प्रकोष्ठ के मो.



शहबाज खान शामिल थे।प्रदेश से युवा उपाध्यक्ष शगुलशन खातून

और युवा महासचिव मुकेश यादव भी पहुंचे।विभिन्न प्रखंडों के

अध्यक्षों ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक में पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने,ए.ए कार्यक्रमों को जोड़ने और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। नेताओं ने लालू-तेजस्वी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर बल दिया।इस दौरान जिला अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप यादव ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें गुटबाजी संघर्ष,संगठन चाहिए।विरोध नहीं, विचार चाहिए।पार्टी हित सर्वोपरि है।हमारा लक्ष्य सामाजिक न्याय

और संविधान की रक्षा के लिए जनता के बीच जाना है।उन्होंने कहा कि पार्टी को हर वर्ग को साथ लेकर चलना होगा और कार्यकताओं का सम्मान करना होगा। तभी संगठन जमीन पर मजबूत होगा।

अनुशासनहीनता पर नाराजगी.....

बैठक में हाल में हुई एक कथित बैठक का मुद्दा भी उठा। पदाधिकारियों ने इसे अधिकृत

एक नजर

टेंट डेकोरेटर एसोसिएशन के प्रदीप सिंह चेयरमैन, शुशील वर्मा फिर अध्यक्ष

नवप्रदेश/धनबाद। झारखंड टेंट डेकोरेटर वेल्फेयर एसोसिएशन का चुनाव बुधवार को रांची स्थित स्वागतम मेरज हॉल में संपन्न हुआ। बैठक में सर्वसम्मति से 2026 से 2029 तक के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।बैठक का शुभारंभ निवर्तमान अध्यक्ष शुशील कुमार वर्मा ने किया।उन्होंने संगठन के पिछले कार्यकाल में हुए कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी। चुनाव को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए मनोज कुमार और लखेंद्र महतो को पर्ववक्षक बनाया गया।सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के अनुसार प्रदीप कुमार सिंह को चेयरमैन, शुशील कुमार वर्मा को अध्यक्ष, पुरुषोत्तम कुमार रंजन को कार्यकारी अध्यक्ष, द्वारिका प्रसाद तिवारी को महासचिव, भारती को सचिव तथा संजय कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया।सदस्यों ने कहा कि पिछले कार्यकाल में पदाधिकारियों के सराहनीय योगदान को देखते हुए उन्हें एक बार फिर जिम्मेदारी सौंपी गई है।इस अवसर पर राज्य के करीब 15 जिलों से आए जिला पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

सार्वजनिक स्थल पर हथियार के चित्र वाले पोस्टर से बवाल, विद्यार्थी परिषद ने की शिकायत

नवप्रदेश/धनबाद। नगर क्षेत्र में एक सार्वजनिक स्थान पर स्वचालित हथियार एके-47 की तस्वीर और राजनीतिक नारे वाला पोस्टर लगाए जाने को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कड़ी नाराजगी जताई है। परिषद की धनबाद महानगर इकाई ने बुधवार को धनबाद थाने के प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। परिषद के कार्यकताओं का कहना है कि जिस स्थान पर यह पोस्टर लगाया गया है वह अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है।वहां महिला विश्राम गृह,दो महिला महाविद्यालय और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का सरकारी आवास स्थित है। ऐसे स्थान पर हथियार की तस्वीर लगाना आम लोगों, खासकर छात्राओं और महिलाओं के मन में भय पैदा कर सकता है। जापन में परिषद ने कहा कि सार्वजनिक जगहों पर इस तरह के चित्रों से शांति भंग होने और कानून व्यवस्था बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है। यह समाज में गलत संदेश भी देता है।परिषद ने प्रशासन से मांग की है कि यदि पोस्टर लगाने में किसी नियम का उल्लंघन हुआ है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में विद्यालयों, महाविद्यालयों और महिला विश्राम गृह के आसपास इस प्रकार के पोस्टर लगाने पर पूरी तरह पाबंदी लगाई जाए।ज्ञापन की प्रतिलिपि धनबाद के पुलिस अधीक्षक,उपायुक्त और नगर आयुक्त को भी भेजी गई है। परिषद ने जन्हित और कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रशासन से शीघ्र कदम उठाने का आग्रह किया है।

लागूतार तीसरी बार बहा झिलिया पुल का अस्थायी डायवर्सन, हजारों की आवाजाही ठप

मैथन रोड पर आवागमन बाधित, ग्रामीणों में आक्रोश,प्रशासन से ठोस कदम की मांग

नवप्रदेश/धनबाद/निरसा। मैथन रोड पर निर्माणाधीन झिलिया पुल के पास बना अस्थायी डायवर्सन मंगलवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश में फिर पानी के तेज बहाव में बह गया। तीन महीने के अंदर तीसरी बार डायवर्सन ध्वस्त होने से क्षेत्र के हजारों लोगों की दिक्कतें बढ़ गई हैं।बारिश के बाद डायवर्सन पूरी तरह टूट जाने से आसपास के दर्जनों गांवों का संपर्क मुख्य मार्ग से कट गया है।इस रास्ते से रोजाना गुजरने वाले फैक्ट्री कर्मचारियों, स्कूली छात्र-छात्राओं और आम यात्रियों को अब कई किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ रहा है।टोटेो और ऑटो सेवा भी पूरी तरह ठप है।स्थानीय लोगों का कहना है कि शुरुआत से ही डायवर्सन का निर्माण मानक के अनुरूप नहीं किया गया था। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने कई बार सर्वेदक और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को इसकी कमजोर स्थिति से अवगत कराया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी लापरवाही का नतीजा है कि थोड़ी सी बारिश में ही वैकल्पिक मार्ग जमींदोज हो जा रहा है।ग्राम पंचायत के मुखिया तनवीर आलम ने कहा कि निर्माण एजेंसी की लापरवाही के कारण आम जनता परेशान हो रही है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता नागेंद्र कुमार ने पुल निर्माण की गुणवत्ता और सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए जिम्मेवारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द पुर्खा वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। उधर, समाचार लिखे जाने तक पीडब्ल्यूडी या जिला प्रशासन की ओर से मरम्मत कार्य शुरू करने को लेकर कोई अधिकारिक सूचना नहीं मिली है।

धनबाद में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

नारायणी ट्रस्ट और एसबीआई की संयुक्त पहल,बीपीएल परिवारों को मिली विशेष सुविधा

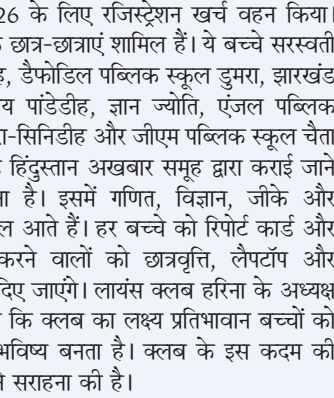
नवप्रदेश/धनबाद। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और जरूरतमंदों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट एवं भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से सीएसपीएफ कॉलोनी में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों और थेरेपिस्टों की टीम ने लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक थेरेपी के साथ-साथ किनिकल साइकोलॉजिस्ट द्वारा मानसिक स्वास्थ्य परामर्श भी दिया गया। कार्यक्रम का फोकस शहर के किनारे बसे इलाकों और गांवों के बच्चों, महिलाओं एवं युवाओं को लक्षित कर रखा गया था।आयोजन में ने बताया कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे और गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों को शिविर में सभी तरह की जांच एवं परामर्श निःशुल्क उपलब्ध कराए गए। शिविर में पहुंचे लोगों को नियमित मेडिकल जांच कराने, संतुलित आहार लेने और स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के बारे में भी जानकारी दी गई।कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई। लोगों ने स्वास्थ्य जांच के साथ विशेषज्ञों से परामर्श लेकर इसका भरपूर लाभ उठाया।नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह के शिविरों का मकसद समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। एसबीआई के प्रतिनिधियों ने भी सामाजिक दायित्व के तहत ऐसे आयोजनों में भागीदारी जारी रखने की बात कही।

जिला कृषि पदाधिकारी ने लिया पदभार

नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद की नई जिला कृषि पदाधिकारी अंजना कुमारी ने बुधवार को जिला कृषि पदाधिकारी के रूप में कृषि कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर निवर्तमान जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।इससे पहले नई जिला कृषि पदाधिकारी अंजना कुमारी गिरिडीह में असिस्टेंट सॉयल केमिस्ट के पद पर कार्यरत थीं।वहीं निवर्तमान जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा का पाकुर जिले में स्थानांतरण किया गया है।

लायंस क्लब ने 30 बच्चों का ओलंपियाड फॉर्म भरवाया

नवप्रदेश/बाघमारा। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लायंस क्लब हरिना ने सराहनीय काम किया है। क्लब ने क्षेत्र के 30 मेधावी और जरूरतमंद बच्चों का



हिंदुस्तान ओलंपियाड- 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन खर्च वहन किया। इसमें कक्षा 7 से 10 तक के छात्र-छात्राएं शामिल हैं। ये बच्चे सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जयमराडोह, डैफोडिल पब्लिक स्कूल डुमरा, झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय पांडेडीह, ज्ञान ज्योति, एंग्लो पब्लिक स्कूल, एसएसवीएम बाघमारा-सिनिडीह और जीएम पब्लिक स्कूल चैता से हैं। हिंदुस्तान ओलंपियाड हिंदुस्तान अखबार समूह द्वारा कराई जाने वाली राष्ट्रीय स्तरीय परीक्षा है। इसमें गणित, विज्ञान, जीके और लॉजिकल रीजनिंग के सवाल आते हैं। हर बच्चे को रिपोर्ट कार्ड और सर्टिफिकेट मिलेगा। टॉप करने वालों को छात्रवृत्ति, लैपटॉप और साइकिल जैसे पुरस्कार भी दिए जाएंगे। लायंस क्लब हरिना के अध्यक्ष लायन के. सी. पॉल ने कहा कि क्लब का लक्ष्य प्रतिभावान बच्चों को मंच देना है। शिक्षा से ही भविष्य बनता है। क्लब के इस कदम की शिक्षकों और अभिभावकों ने सराहना की है।



उप विकास आयुक्त ने रायडीह एवं घाघरा में विभिन्न विकासात्मक कार्यों आयुष्मान भवनों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का किया निरीक्षण

गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नवप्रदेश/गुमला: उप विकास आयुक्त अनिमेष रंजन ने रायडीह एवं घाघरा प्रखंड क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकासात्मक कार्यों, निमाणाधीन एवं नवनिर्मित सरकारी भवनों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रायडीह में निमाणाधीन आयुष्मान भवन तथा घाघरा में नव निर्मित आयुष्मान भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया।निरीक्षण के क्रम में



उप विकास आयुक्त ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी

संस्था को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा गुणवत्ता से

समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने रायडीह स्थित निर्माणाधीन आयुष्मान भवन के अद्यतन कार्यों की समीक्षा की तथा कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया। वहीं घाघरा स्थित नव निर्मित आयुष्मान भवन का निरीक्षण कर उसकी गुणवत्ता का भी परीक्षण किया।इसके उपरांत उप विकास आयुक्त ने घाघरा स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का भ्रमण किया। विद्यालय में उन्होंने छात्राओं से आत्मीय संवाद स्थापित कर उनकी पढ़ाई, भविष्य

की आकांक्षाओं एवं विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर अध्ययन करने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही छात्राओं से विद्यालय में आने वाली समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं संबंधित पदाधिकारियों से भी विद्यालय की आधारभूत आवश्यकताओं,

उपलब्ध संसाधनों एवं अन्य जरूरतों की जानकारी ली तथा आवश्यक व्यवस्थाएं जल्द ही सुनिश्चित किए जाने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने घाघरा एवं रायडीह प्रखंड के अन्य विकासात्मक तथा निमाणाधीन कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी एजेंसियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करते हुए कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

पीएम श्री विद्यालय के 30 छात्रों ने ओडिशा में सीखा विज्ञान, संस्कृति और इतिहास का संगम, अंतर्राज्यीय शैक्षणिक भ्रमण से लौटे छात्र



नवप्रदेश/गिरिडीह। पीएम श्री योजना के तहत गिरिडीह सदर प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र स्थित पीएम श्री उत्कर्मित उच्च विद्यालय, धनयडीह के 30 विद्यार्थियों ने ओडिशा राज्य का अंतर्राज्यीय शैक्षणिक भ्रमण कर ज्ञान, विज्ञान और संस्कृति से जुड़े नए अनुभव हासिल किए। राज्य परियोजना निदेशक, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के निर्देश पर आयोजित यह अध्ययन भ्रमण 1 अगस्त से शुरू हुआ था, जिसका संचालन सुभद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने भुवनेश्वर स्थित शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संस्थानों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने ओडिशा राज्य संग्रहालय, उदयगिरी-खंडगिरी गुफाएं, एआईपीएच यूनिवर्सिटी, विश्व प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर तथा समुद्र तटीय क्षेत्रों का भ्रमण कर इतिहास, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से समझा। विद्यार्थियों ने देखें, सीखें, समझें और अनुभव करें की अवधारणा के तहत आनंददायक शिक्षा का अनुभव प्राप्त किया। सभी छात्र-छात्राएं बुधवार शाम गिरिडीह लौट आए। गाइड शिक्षक संजीव कुमार ने कहा कि यह भ्रमण विद्यार्थियों को ज्ञान, विज्ञान, संस्कृति और नवाचार से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण पहल थी। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन संध्या के समय प्रेरक सुजीत कुमार पात्रा द्वारा रोचक शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया, जो बेहद उपयोगी साबित हुआ। विज्ञान शिक्षिका एवं गाइड सोनी कुमारी ने बताया कि कई छात्र-छात्राओं ने पहली बार रेल यात्रा की। पूरे भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को सुरक्षा, अनुशासन और यात्रा संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी भी दी गई। भ्रमण में शामिल सभी विद्यार्थियों ने इस शैक्षणिक यात्रा से मिली सीख को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। यह अध्ययन भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास, व्यवहारिक समझ और सामाजिक अनुभव को भी समृद्ध करने वाला साबित हुआ।

स्टील इंडिया वर्कशॉप का उद्घाटन आधुनिक स्टील कार्यों की मिलेगी सुविधा



नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के चतरा रोड स्थित रॉयल एनफील्ड शोरूम के समीप बुधवार को स्टील इंडिया वर्कशॉप का विधिवत शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि मासूम चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी सह जीएनजी फार्मा के डायरेक्टर सैयद दानिश रजा तथा चयकला पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मौलाना हेलाल अख्तर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर वर्कशॉप का उद्घाटन किया। वर्कशॉप के प्रोप्राइटर नदीम रजा ने बताया कि प्रतिष्ठान में ग्राहकों को आधुनिक डिजाइन के मजबूत गेट, ग्रिल, रेलिंग सहित स्टील एवं लोहे से जुड़े विभिन्न निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता, उचित मूल्य और समय पर सेवा देना उनकी प्राथमिकता होगी। उद्घाटन समारोह में उपस्थित अतिथियों ने नए प्रतिष्ठान की शुरुआत पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के लोगों को आधुनिक स्टील फैब्रिकेशन की सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।इस अवसर पर पंचायत समिति प्रतिनिधि फैजान अजमेरी, पूर्व मुखिया सफाउद्दीन, उप मुखिया प्रतिनिधि अब्दुल हन्नान, जीएनजी ऑटोपार्ट्स के डायरेक्टर सैयद शादाब रजा, आर्किटेक्ट सैयद चुन्नु रजा, मंटू यादव, कारू यादव, जेएमएम नेता अब्दुल सलाम, सहित बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने प्रोप्राइटर नदीम रजा को नए व्यवसाय के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ताजपुर मुखिया ने खिलाड़ियों के बीच जर्सी व फुटबॉल का किया वितरण

खेल प्रतिभाओं को मिलेगा प्रोत्साहन

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड की ताजपुर पंचायत में ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुखिया उषा देवी एवं मुखिया प्रतिनिधि अभिमन्यु भगत द्वारा स्थानीय खिलाड़ियों के बीच जर्सी और फुटबॉल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खिलाड़ी, खेल प्रेमी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। इस अवसर पर



मुखिया उषा देवी ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना

और स्वस्थ जीवनशैली का विकास करता है। उन्होंने कहा कि पंचायत

की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव सहयोग किया



नवप्रदेश/सिसई – सिसई प्रखंड के अंजुमन इस्लामिया बघनी की सदर और सेक्रेट्री पद का चुनाव को लेकर गांव के सभी ग्रामीणों की बैठक हुई और अंजुमन चुनाव का

ऐलान किया गया चुनाव अंजुमन फ्लाहूल मुस्लिमीन सिसई के देख रेख में कराया जाएगा चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से होगा बैठक में अंजुमन इस्लामिया बघनी की 16

सदस्यीय चुनाव समिति का चयन किया गया जिसमें चुनाव प्रभारी सर्वसम्मति से नेजामुद्दीन अंसारी को चुना गया सह प्रभारी बैबूल अंसारी और रिजवान अंसारी को

अंजुमन इस्लामिया बघनी की चुनाव का हुआ एलान

चुना गया जबकि प्रवेक्षक महमूद आलम सिसई और सह प्रवेक्षक जुलफान अंसारी करकरी को चुना गया नामांकन पत्र का वितरण 07 अगस्त से 10अगस्त तक नामांकन पत्र भरने की तिथि 11 अगस्त से 12अगस्त तक नामांकन पत्र वापस लेने की तिथि 15 अगस्त नामांकन पत्र जांच की तिथि 16 अगस्त चुनाव चिन्ह वितरण का तिथि 18 अगस्त और चुनाव 26 अगस्त को सम्पन्न किया जाएगा जबकि मतों की गिनती 26 अगस्त को ही किया जाएगा

संपादकीय



सोशल मीडिया पर नियंत्रण जरूरी

सिडल्टल युग में सोशल मीडिया सूचना के आदान-प्रदान का सबसे प्रभावशाली माध्यम बन चुका है। इसने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नई ऊँचाइयों दौ है, लेकिन इससे अनिवार्यतः विकृति ने अनेक गंभीर चुनौतियाँ भी पैदा कर दी हैं। फर्जी खबरें, डीपफेक, साइबर ठगी, ऑनलाइन उत्पीड़न, बाल यौन शोषण सामग्री तथा मानहानि जैसे मामलों में लगातार वृद्धि इह बात का संकेत है। सोशल मीडिया लेटेफर्मा सुखाल तकनीकी माध्यम नहीं रह गए हैं, बल्कि समाज, राजनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाली शक्तिशाली संस्थाएँ बन चुके हैं। ऐसे में इन पर सीसीएम कर दिया गया। यह अपर पर लीक ऐसे गंभीर मुद्दे पर थी। सरकारी की कडी आपति के बाद मेटा ने इसे अपनी कृत्रिम बुद्धिमान आधारित कंटेण्ट फिल्टर की गली बताते हुए बहाल किया और खेद भी व्यक्त किया। इस घटना ने स्पष्ट कर दिया कि यदि देश के प्रधानमंत्री की आधिकारिक पोस्ट भी तकनीकी खामियों की शिकार हो सकती है, तो आम नागरिकों के साथ होने वाली गलतियाँ भी गंभीरता का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। प्रतिदिन अनेक लोग सोशल मीडिया पर झूठे आरोपों, अपमानजनक टिप्पणियों और दुष्प्रचार का सामना करते हैं, जिससे उनकी प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है। भारतीय संविधान-व्याख्यालय भी इस प्रवृत्ति पर विता जा चुका है कि आज हाथ में मोबाइल लेकर हर व्यक्ति स्वयं को पत्रकार समझने लगा है। बिना तथ्य-जांच के, सूचनाओं का प्रसार सामान में भ्रम, वैमनस्य और अविवश्याय को बढ़ावा देता है। सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली भ्रामक सामग्री कई बार सामाजिक तनाव और कानून-व्यवस्था की समस्या का एक उपनयन कर देती है। सरकार ने मेटा को बाल यौन शोषण सामग्री, डीपफेक, एल्गोरिदम में स्पष्टता तथा प्रसूध हस्तियाँ के खातों की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी कड़ी चेतावनी दी है। संसदीय विभिन्न मीडिया समिति से एल्गोरिदम की पारदर्शिता, महिलाओं के सिस्टम ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर अपराध और गैरकानूनी सामग्री पर समबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपेक्षा की है। यह स्पष्ट संदेश है कि केवल तकनीकी नवाचार पर्याप्त नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी उतना ही आवश्यक है। हालाँकि, सोशल मीडिया पर निगरानण का अर्थ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश नहीं होना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों को अपने बात रखने का अधिकार है, किंतु इस अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। इसलिए ऐसी संतुलित व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, जिसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुरक्षित रहे, परंतु फर्जी खबरों, घृणा फैलाने वाली सामग्री, साइबर अपराध और डीपफेक जैसे गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई हो। साथ ही, सोशल मीडिया कंपनियों को अपने एल्गोरिदम अधिक पारदर्शी बनाने, शिकायतों का वितरित समाधान करने और भारतीय कानूनों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करना होगा। निरसिद्ध, सोशल मीडिया अधुनिक समाज का आवश्यकता है, किंतु इसकी शक्ति का दुरुपयोग रोकना भी उतना ही आवश्यक है। है। प्रभावी नियमन, तकनीकी सुधार, कानूनी जवाबदेही और डिजिटल साक्षरता के समन्वय से ही ऐसा सुरक्षित डिजिटल वातावरण बनाया जा सकता है, जहाँ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व दोनों का संतुलन बना रहे।

मुद्दा

कांवड़ यात्रा: शिवभक्ति का महाकुंभ

ઓ.પી. પાલ

भारतीयों की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियों में श्रावण (सावन) मास का स्थान अत्यंत विशिष्ट एवं सर्वोपरि है। ग्रीष्म ऋतु की प्रवेश तपन के उपरान्त जब आकाश से मेघों की प्रबल द्रव्य धरा का आलिप्तन करती है, तब न केवल प्रकृति का नश्वरता होने है बल्कि सनातन धर्मी वेना भी द्वाविधिवद् महादेव की भक्ति में सराबोर हो उमटती है। श्रावण मास अर्पुण मास भगवान शिव और माता पार्वती की उपसना को समर्पित होता है। इस पावन अवसर पर जल से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर पश्चिम तक पूरा देश हर-हर महादेव और बम-बम-बम के जयघोषों से गुंजायमान रहता है। इस मास में आयोजित होने वाली 'कांडव यात्रा' केवल एक धार्मिक कांडव यात्रा नहीं बल्कि अमाध, कठिन तपसा, समाजिक समरता और अनुराशन का अप्रतिम महासंगम है। आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व की दृष्टि में विश्व तत्त्व और श्रावण मास सनातन शास्त्रों एवं पुराणों (विशेषकर शिव पुराण और शिव लिपि पुराण) के अनुसार, श्रावण मास भगवान शिव का अत्यंत प्रिय मास है। श्रावण मास की कांडव यात्रा केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं अपितु यह भारत की अशुष्ण सांस्कृतिक धरोहर, अटुट आस्था और जीवंत-शुद्धि कायस्था का दिग्दर्शन है। जहाँ एक ओर भावुक और अटुट आस्था से जीवन-समृद्धि करते हैं, वहीं, भारत की आत्मा उसकी भूमिक वेना और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना में निवास करती है। गंगाजल की हर बूँद के साथ उठने वाली शिवभक्तों का दिव्यभार माता पार्वती की एकता और अखंडता को सर्वेसंख्य प्रमाणित करता रहेगा। वही, मान्यता है कि समूह में 'हर-हर महादेव' के निरंतर संकीर्तन से निकलने वाली ध्वनि तरंगें मस्तिष्क में डोपामाइन और एंडोर्फिन जैसे हार्मोनों का साव करती हैं, जिससे शारीरिक थकावट का निरास कम होता है और आत्मनिक तनाव दूर होता है। सनातन धर्म में पौराणिक मान्यता है कि देवी और दानवों द्वारा किए गए सभार मंथन के दौरान जब कालकूट नामक भयानक शिव निकला, तो उसकी तपन से समस्त सृष्टि आजी-जाति कर ली। सर्पुण ब्रह्मांड की रक्षा हेतु भगवान शिव ने उस देवी-लोक को सुदृढ में धारण कर लिया। शिव के प्रभाव से अना कण्ट नित्य बज गया और 'नमो कण्ठ' कहलाया। शिव की तीव्र दाहक अंगों को शांत करने के लिए सभी देवी-देवताओं ने उन पर पवित्र नदियों के जल से जलाभिषेक किया। इसी देवता की स्मृति में आज भी श्रद्धालु नदियों में, विशेष रूप से श्रावण शिवरात्रि के दिन, गंगाजल लाल भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। एक अन्य मान्यता यह भी है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को प्रीत रूप में प्राप्त करने के लिए श्रावण मास में ही कठोर तपसा की थी। शिवजी ने प्रशन्त होकर इसी मास में उन्हें अपूर्व अर्धगंगी नदीयक का दिव्य तपसा या इस्फूर्त यम मास शिव-शक्ति के मिलन का भी प्रतीक माना जाता है। इसी कारण कांडव यात्रा का प्रवर्तन शुरू हुआ। इससे तहत श्रद्धा, कसब और कठिन तपसा को गंगाकांडव यात्रा एवं अर्पण पूजन है। जसमें भक्त, (सावध) पवित्र नदियों मुखतः- मों गंगाकांडव यात्रा जल भरकर अपने कंधों पर कांडव (बांस की बहरी जल पर जल के पात्र बने होते हैं) लेकर सेकड़ों किलोमीटर पदेल चलकर अपने स्नानीय या प्रसिद्ध शिवालयों तक पहुँचते हैं। कांडव यात्रा और श्रावण मास के निरामे के पीछे केवल आध्यात्मिक कारण ही नहीं बल्कि गूढ़ वैज्ञानिक और स्वास्थ्य संबंधी कारण भी निहित हैं। वर्षा ऋतु में जल का प्राकृतिक शोषण की दृष्टि से मानव शरीर में नदियों उपजन पर होती है और उनमें ताजा जल बहता है। प्राचीन काल में प्राकृतिक स्रोतों के जल की शुद्धता को पुनर्ज और जल संरक्षण का संदेश देने के लिए पदेल यात्रा की परंपरा बनी। सावन के महीने में वातावरण में आर्द्रता बढ़ जाती है, जिससे मानव शरीर की जठराग्नि (पाचन क्रिया) मंद हो जाती है। इस मास में उपवास रखना, सात्विक भोजन करना और पदेल चलना शरीर की चयापचय प्रणाली को सुलभित करने हैं। इसके अलावा समूह में 'हर-हर महादेव' के निरंतर संकीर्तन से निकलने वाली ध्वनि तरंगें मस्तिष्क में डोपामाइन और एंडोर्फिन जैसे हार्मोनों का साव करती हैं, जिससे शारीरिक थकावट का असास कम होता है और मानसिक तनाव दूर होता है।



ओम पराशर

भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल भूगोल पर आधारित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, भाषा, सामाजिक संबंध और 1971 के मुक्ति संग्राम की स्मृतियाँ आज भी विश्वास की मजबूत नींव प्रदान करती हैं।



डॉ प्रियंका सौरभ

गाँव की पहचान केवल खेतों से नहीं बल्कि उसके संस्कारों से भी है। बड़ों का सम्मान, सामूहिकता, सहयोग, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सादगी- ये मूल्य आज भी गाँव की सबसे बड़ी ताकत हैं। आधुनिकता का अर्थ इन मूल्यों को छोड़ देना नहीं बल्कि इन्हें समय के अनुरूप आगे बढ़ाना है। यदि विकास की दौड़ में हम इन मूल्यों को खो देंगे तो आर्थिक समृद्धि भी हमें मानसिक संतोष नहीं दे पाएगी। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि शहर और गाँव एक-दूसरे के प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि पूरक हैं।



राधा रमण

बिहार
विधानसभा चुनाव
में महज 25 सीटों
पर सिमट
जानेवाली राष्ट्रीय
जनता दल (राजद)
में बाँकीपुर के
परिणाम से
घबराहट है। सांसद
मीसा भारती प्रशांत
किशोर को भाजपा
का असली
उम्मीदवार बता रही
हैं, जबकि उनकी
बहन रोहिणी
आचार्य प्रशांत
किशोर को जमीन
से जुड़ा नेता बताते
हुए तेजस्वी पर तंज
कस रही हैं।

गाँव की हर चीज चाहिए लेकिन गाँव नहीं। यह एक साधारण वाक्य नहीं, बल्कि आधुनिक भारतीय समाज की बदलती मानसिकता का श्रेष्ठ चित्रण है। हम गाँव के शुद्ध दुध की बात करते हैं, देशी घी की प्रशंसा करते हैं, जैविक अनाज खरीदने के लिए अधिक कीमत चुकाने को तैयार होते हैं, गाँव के फलों और सब्जियों को स्वस्थ का आधार मानते हैं, गाँव की संस्कृति, लोकगीत, लोकनृत्य और परंपरिक जीवन को अपनी पहचान बनाते हैं लेकिन जब स्वयं गाँव में रहने की बात आती है तो अधिकांश लोग उससे दूरी बनाना चाहते हैं। यह विरोधाभास केवल जीवन शैली का नहीं बल्कि विकास की हमारी अवधारणा का भी प्रश्न है।

भारत को संघियों से गाँवों का देश कहा जाता रहा है। आज भी देश की बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। हमारी अर्थव्यवस्था की नींव कृषि पर टिकी है और कृषि गाँवों के बिना संभव नहीं। फिर भी विद्वानों यह है कि गाँव का उत्पन्न सम्मान पता है लेकिन गाँव स्वयं उपेक्षा का शिकार है। हम गाँवों से सबकुछ लेना चाहते हैं पर गाँव की वह सम्मान, सुविधाएँ और अक्सर देते हैं में पीछे रह जाते हैं जिनका वह अधिकारी है। आज शहरों में औद्योगिक का बड़ा बाजार है। गाँव का गेहूँ, बाजरा, सरसों का तेल, देसी दालें और ताजी सब्जियाँ उँचे दामों पर बिकती हैं। लोग गाँव के शहर, देसी दुग्ध और मोटे अनाज को स्वास्थ्यवर्धक मानते हैं। लेकिन इन उत्पादों को पैदा करने वाले किसान का जीवन अक्सर संघर्षों से भरा रहता है। जिस किसान की मेहनत शहर के लोगों की थाली लासकित है, उसी किसान के बच्चे बेवैत शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए शहरों की ओर पलायन करने को विवश हैं।

ग्रामीण जीवन की सबसे बड़ी पूँजी उसके सामाजिक संबंध रहे हैं। सुख-दुःख में पूरा गाँव एक परिवार की तरह खड़ा होता था। विवाह, त्योहार, फसल कटाई या किसी संघटन की घड़ी-शहर जीवन सामूहिकता का प्रतीक होता था। आज हर अक्सर गाँव में लोग इसी अपनकौती तलाश करते हैं। बड़े-बड़े अपार्टमेंटों में रहने वाले लोग अपने पड़ोस की कों नहीं जानते। दूसरी ओर गाँव की चौपाल, पीपल की छाँट जहाँ सामूहिक संवाद अब धीरे-धीरे स्मृतियों में बदलते जा रहे हैं। हम उस आनीयता की प्रयास तो करते हैं लेकिन उसे बचाने के लिए कुछ नहीं करते।

शिक्षा और रोजगार की तलाश ने गाँवों से युवाओं का पलायन तेज किया है। यह पलायन केवल आर्थिक नहीं, सांस्कृतिक भी है। पढ़ा-लिखा युवा शहर में बना अपनकौती मानने लगा है। गाँव लाटून उस पिछड़ेपन का प्रतीक लगता है।



पर्यावरणस्वरूप गाँवों में बुजुर्ग, महिलाएँ और बच्चे अधिक रह गए हैं जबकि युवाओं की ऊर्जा शहरों में खप रही है। यदि गाँवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएँ, उद्योग और समानजनक रोजगार उपलब्ध हों तो बड़ी संख्या में लोग अपने गाँव में ही रहना पसंद करेंगे। यह भी सच है कि गाँवों में अनेक चुनौतियाँ हैं शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, इंटरनेट, पेयजल, स्वच्छता और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी आज भी कई क्षेत्रों में दिखाई देती है। सामाजिक कुरीतियाँ, जातिगत भेदभाव और रूढ़िवादिता जैसी समस्याएँ भी मौजूद हैं। इन कमियों को स्वीकार करना आवश्यक है, लेकिन समाधान गाँव से भागने में नहीं बल्कि गाँव को बेहतर बनाने में है। आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट से जूझ रही है, तब गाँव का महत्व और बढ़ जाता है। स्वच्छ हवा, ख़ुश मैदान, पेड़-पौधे, जल स्रोत और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन गाँव की पहचान है। शहरों में कृत्रिम पार्क बनाकर लोग प्रकृति का अनुभव करना चाहते हैं, जबकि गाँव में प्रकृति जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। यदि हमने गाँवों को बचाए बिना केवल शहरों का विस्तार किया, तो आने वाली पीढ़ियों को प्राकृतिक जीवन केवल पुस्तकों और चित्रों में देखना मिलेगा।

कोविड-19 महामारी ने भी हमें गाँव का महत्व समझाया। जब शहरों की आर्थिक गतिविधियाँ ठप हो गईं, तब लाखों लोग अपने गाँव लौटे। गाँव ने उन्हें आश्रय दिया, भोजन दिया और जीवन को फिर से सँभालने का अवसर दिया। उस समय यह

एक ही गया कि गाँव केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं बल्कि संकेत के समग्र समाज की सबसे सशक्त मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था भी है। आज आवश्यकता केवल ग्रामीण विकास योजनाएँ बनाने की नहीं, बल्कि विकास की सोच बदलने की है। गाँव को शहर बनाने की नहीं बल्कि गाँव को उसका विशेषताओं के साथ आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने की आवश्यकता है। अच्छी सड़कें, आधुनिक विद्यालय, डिजिटल कनेक्टिविटी, गांवधारी अस्पताल, कृषि आधारित उद्योग, कोशल विकास और स्थानीय रोजगार- ये सभी विकास के विकास की वास्तविक आधारशिला हैं। यदि अवसर गाँव में होंगे तो पलायन स्वतः कम होगा। हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था में भी गाँव के प्रति समाज का भाव विकसित करना होगा। बच्चों को यह समझाना होगा कि खेती केवल एक पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र को खाद्य सुरक्षा का आधार है। किसान केवल अनयातनी नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षक भी है। गाँव केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि हमारी मीथड और संस्कृति का मूल स्रोत है। सीधिया और मॉनोरिंग जगत की भी इसमें बड़ी भूमिका है। अवसर गाँव को या तो अत्यधिक पिछड़ा दिखाया जाता है या केवल रोमांटिक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। वास्तविक गाँव इन दोनों छवियों से अलग है। गाँवों संघर्ष भी हैं, संभावनाएँ भी हैं, परंपरा भी है और परिवर्तन की आकांक्षा भी। संतुलित चित्रण ही समाज में सही दृष्टिकोण विकसित कर सकता है। सरकार, समाज और निजी क्षेत्र को मिलकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना होगा। कृषि के साथ पशुपालन,

मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, कुटीर उद्योग, ग्रामीण पर्यटन और हस्तशिल्प को बढ़ावा देकर गाँवों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। डिजिटल तकनीक और ई-कॉमर्स के माध्यम से गाँव के उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँच सकते हैं। इससे किसानों और ग्रामीण उद्यमियों की आय भी बढ़ेगी। गाँवों में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

गाँव की पहचान केवल खेतों से नहीं, बल्कि उसके संस्कारों से भी है। बड़ों का सम्मान, सामूहिकता, सहयोग, प्रकृति के प्रति स्वेदनेशीलता और सादगी—ये मूल्य आज भी गाँव की सबसे बड़ी ताकत हैं। आधुनिकता का अर्थ इन मूल्यों को छोड़ देना नहीं बल्कि इन्हें समय के अनुरूप आगे बढ़ाना है। यदि किसान की दौड़ में हम इन मूल्यों को खो देते तो आर्थिक समृद्धि भी हमें मानसिक संतोष नहीं दे पाएगी। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि शहर और गाँव एक-दूसरे के प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि पूरक हैं। शहर उद्योग, शिक्षा और सेवाओं के केंद्र हैं, जबकि गाँव कृषि, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों के आधार हैं। दोनों का संतुलित विकास ही राष्ट्र को सशक्त बना सकता है। केवल शहरों को विकास करके और गाँवों की उपेक्षा करके समावेशी विकास का सपना पूरा नहीं हो सकता। आज समय आ गया है कि हम अपने भीतर छिपी संस्कृतिक स्वरूप से प्रश्न करें— क्या हम वास्तव में गाँव से प्रेम करते हैं या केवल गाँव की उपज और उसके सुविधाओं से? यदि हमें गाँव का अन्न चाहिए, दूध चाहिए, गन्ना चाहिए, संस्कृति चाहिए, लोकगीत चाहिए, लोहार चाहिए और अपनापन चाहिए तो हमें गाँव भी चाहिए। गाँव को केवल संसाधनों का स्रोत मानने की मानसिकता बदलनी होगी। गाँव जीवित रहेगे तभी हमारी संस्कृति, हमारी कृषि और हमारी पहचान भी जीवित रहेगी। वास्तविक विकास तब होगा जब कोई युवा गाँव छोड़कर मजबूर न हो बल्कि गाँव में रहकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने के अवसर पाए। जब किसान का बेटा खेती करने में गर्व महसूस करे, जब गाँव की बेटी को अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध हों, जब गाँव की चोपाल पर आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान साथ-साथ बैठें, तब भारत वास्तव में आत्मनिर्भर और समृद्ध कहलाएगा।

आइए, केवल गाँव की चीजों से प्रेम न करें बल्कि गाँव से भी प्रेम करें। क्योंकि गाँव बेचने तो खेत बचेंगे, खेत बचेंगे तो अन्न बचेगा, अन्न बचेगा तो जीवन बचेगा और जीवन बचेगा तो हमारी सभ्यता भी सुरक्षित रहेगी। सच यही है— गाँव की हर चीज नहीं, गाँव भी चाहिए।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

प्रशांत किशोर की जीत से क्या बदलेगी बिहार की सियासत



मनोरंजन श्रीवास्तव को सबसे अधिक 973 तो निर्दलीय ब्रजेश पटेल को सबसे कम महज 70 वोट मिले। 646 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया।

2025 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद प्रशांत हाहासा हाकर घर नहीं दे। वह पश्चिम चंपारण के भित्तिहरा आश्रम पहुंचे, जहां से गांधीजी ने अंग्रेजों के खिलाफ नील की खेती करने वाले किसानों के लिए सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया था। उन्होंने 24 घंटे का मौन पट किया फिर कहा कि वह लोगों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए बिहार में घर-घर तक जाएंगे। जनसुराज की लड़ाई किसी राजनीतिक दल से नहीं, बल्कि बिहार बदरने की है। बिहार में खुशहाली लाना ही उनका ध्येय है। उन्होंने अपने जीवन का 10 साल बिहार के विकास के लिए

सम्पत्ति करने का फैसला किया है। उन्होंने दिल्ली का अपना आवास छोड़कर अपने 20 वर्षी की अर्जित कमाई का 90 फीसदी जनसुराज को दान कर दिया। कहा, आगे भी वह जो कमाएंगे, उसका 90 फीसदी जनसुराज को होंगा। उन्होंने लोगों से भी कम से कम 1000 रुपये जनसुराज को दान करने की अपील की। बाबू के दिनों में लोगों ने देखा कि चाहे पटना में जलानबाद की नींद छत्रा की दुकानों के बाद हत्या का मामला हो, पटना के ही बंदी-बादल के हत्या अथवा आरा के बेलोंगी गाँव के भारत भूषण तिवारी की हिरासत में लेकर हत्या, प्रस्तावित हिरासत हर जगह पहुँचे और पीडितों के आसुरी पक्षों। पटना में पिछले माह छात्रों पर हुए बरसालाटीवाज के खिलाफ उन्होंने हुकार भरी। जबकि बिहार के नैल प्रविषित तेजस्वी यादव चुनाव में बिहारिया जन्ता देल से इन्द्रे हाथस हार हाए कि

बांग्लादेश में चीन का बढ़ता प्रभाव: भारत के लिए चुनौती

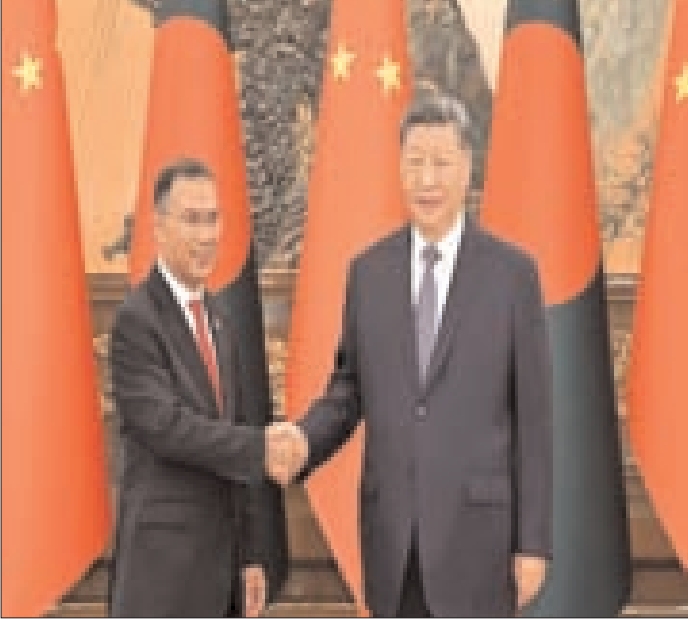
विश्व राजनीति का शक्ति संतुलन तेजी से हिंद-प्रशांत क्षेत्र की और स्थानांतरित हो रहा है। इस बदलते परिदृश्य में दक्षिण एशिया का सामरिक महत्व अत्यंतपूर्व रूप से बढ़ा है और इस परिवर्तन के केंद्र में बांग्लादेश उपभक्त सामाने आया है। कभी भारत की पूछी सीमा स्थित एक पड़ोसी देश के रूप में देखा जाने वाला बांग्लादेश आज हिंद-प्रशांत रणनीति, वैश्विक समुद्री व्यापार, क्षेत्रीय संपर्क और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। पिछले एक दशक में चीन ने जिस गति से बांग्लादेश में आर्थिक, तकनीकी, औद्योगिक और सामरिक निवेश बढ़ाया है, उसने पूरे क्षेत्र की भू-राजनीतिक दिशा बदल दी है। यह केवल दो देशों के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों की कहानी नहीं बल्कि दक्षिण एशिया में प्रभाव, समुद्री सुरक्षा और भविष्य की शक्ति संरचना को लेकर चल रही रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का महत्वपूर्ण अंग्य है।

चीन ने बांग्लादेश को अपनी बेल्ट एंड रोड पल (बीआरआई) का महत्वपूर्ण भाग बनाया है। सड़क, पुल, रेलवे, बंदरगाह, बिजली संचय, औद्योगिक पार्क और आर्थिक क्षेत्रों में अरबों डॉलर का निवेश कर उसने बांग्लादेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज चीन बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदारों में से एक है। चीनी कंपनियां अवसंरचना निर्माण, ऊर्जा, दूरसंचार,

इंडिजटल तकनीक और रक्षा उत्पादन जैसे क्षेत्रों में सक्रिय है। चीन का उद्देश्य केवल व्यापार बढ़ाना नहीं बल्कि ऐसे दीर्घकालिक आर्थिक और रणनीतिक संबंध विकसित करना है, जो भविष्य में उसके क्षेत्रीय प्रभाव को मजबूत करें।

जून 2026 में प्रथमश्रेणी तारिक रस्मान की बीजिंग यात्रा ने स्पष्ट कर दिया कि नई सरकार चीन के साथ संबंधों को और व्यापक बनाना चाहती है। राष्ट्रपति और जिनिंगफेंग और प्रधानमंत्री ली च्यांग के साथ हुई बैठकों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा, औद्योगिक आधुनिकीकरण, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आधारभूत ढांचे सहित अनेक क्षेत्रों में समझौते हट्ट सबसे महत्वपूर्ण घोषणा चीन-म्यांमार-बांग्लादेश आर्थिक गलियारे (सीएमबीसी) को आगे बढ़ाने की रही।

यदि यह परियोजना पूरी होती है तो दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच व्यापार और संपर्क का नया मार्ग विकसित हो सकता है। बीजिंग यात्रा के दौरान तीस्ता नदी के व्यापक प्रबंधन और पुनर्संस्थान परियोजना पर चीन की रुचि विशेष रूप से चर्चा का विषय बनी। तीस्ता जल बंटवारा वार्षों से भारत और बांग्लादेश के बीच लंबित मुद्दा है। ऐसे में यदि चीन इस परियोजना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तो यह केवल एक विकास परियोजना नहीं रहेगी बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों के सामरिक समीकरणों



को भी प्रभावित कर सकती है। भारत के लिए यह चिंता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सीमा से जुड़े जल संसाधन भविष्य में राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय कूटनीति का महत्वपूर्ण आधार बन सकते हैं।

बंगाल की खाड़ी: इक्कीसवीं सदी का नया रणनीतिक केंद्रबंगाल की खाड़ी आज केवल समुद्र नहीं बल्कि वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री शक्ति संतुलन का केंद्र बन चुकी है। मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले व्यापारिक मार्गों का बड़ा हिस्सा बंगाल की खाड़ी से जुड़ा है। भारत के पूर्वी तट, अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह, पूर्वीतराज्यों की संपर्क व्यवस्था तथा एफएट ईस्ट नीति की सफलता इसी क्षेत्र पर निर्भर करती है। बांग्लादेश की भौगोलिक स्थिति और इस पूरे क्षेत्र का प्राकृतिक प्रवेश द्वार बनाती है। यही कारण है कि चीन, भारत, अमेरिका, जापान और अन्य प्रमुख शक्तियां यहां अपनी रणनीतिक

उपस्थिति मजबूत करने में लगी हैं। भारत के लिए वास्तविक चुनौतीचीन को बढ़ती मौजूदगी को केवल प्रतियोगिता के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल भूगोल पर आधारित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, भाषा, सामाजिक संबंध और 1971 के मुक्ति संग्राम की स्मृतियाँ आज भी विश्वास की मजबूत नींव प्रदान करती हैं। पिछले वर्षों में निजन्ती व्यापार, सीमा पार रेलवे, अंतर्देशीय जलमार्ग, पेट्रोलियम पाइपलाइन, बंदरगाह उपयोग, डिजिटल संबंध और ऊर्जा सहयोग ने दोनों देशों को पहले की तुलना में कहीं अधिक निकट ला दिया है। यही भारत की सबसे बड़ी सामरिक शक्ति है, जिसे कोई बाहरी देश आसानी से प्रतियोगिता नहीं कर सकता। यह भारत केवल चीन के निवेश का मुकाबला करने की नीति अपनाता है तो वह सीमित परिणाम ही प्राप्त कर पाएगा। लेकिन यदि वह विश्वसनीय, समर्थबद्ध और दीर्घकालिक विकास साझेदारी की भूमिका निभाता है तो उसका प्रभाव स्थानीयकालिक रूप से मजबूत होगा। भारत को अवसरचंका परियोजनाओं को मार पुरा करना होगा, व्यापारिक बाधाओं को कम करना होगा, निवेश बढ़ाना होगा तथा सीमांकित, डिजिटल तकनीक, हरित ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा सहयोग और सप्रदो सुरक्षा जैसे भाविक क्षेत्रों

क्षेत्रों में बांग्लादेश के साथ साझेदारी का विस्तार करना होगा।

बांग्लादेश की विकास आकांक्षाएँ पूरी तरह वैश्व हैं और उसके लिए विदेशी निवेश आवश्यक है। लेकिन उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आर्थिक सहयोग किसी प्रकार की रणनीतिक निर्भरता में न बदल जाए। श्रीलंका के हम्बन्टोटा बंदरगाह, पाकिस्तान के कुछ बीओआईए परियोजनाओं तथा जाँचियाँ जैसे देशों के अनुभव यह संकेत देते हैं कि बड़े विदेशी ऋण, अपारदर्शी वित्त पोषण और एक ही साझेदार पर अत्यधिक निर्भरता भव्य विकास आर्थिक और सामरिक जोखिम पैदा कर सकती है। इसीलिए संतुलित विदेश नीति, अपारदर्शी निवेश व्यवस्था और विविध अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों बांग्लादेश के दीर्घकालिक हित में होंगी।

हिंद-प्रसात क्षेत्र में स्थिरता केवल सैन्य शक्ति से नहीं आणी। आर्थिक सहयोग, क्षेत्रीय संपर्क, समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन और ब्रूटो क्षेत्रीय गैर-शक्ति जैसे क्षेत्रों में भारत और बांग्लादेश की साझेदारी पूरे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएँ पैदा कर सकती है। यदि हिंद-प्रसात देश साझा हितों का प्राथमिकता देते हुए सहयोग और गहरा करते हैं तो बांग्लादेश की खाड़ी वैश्विक प्रतिस्पर्धा का मैदान बनने के बजाय क्षेत्रीय समृद्धि का केंद्र बन सकती है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

एसएमसी चुनाव के बाद बीपीओ पर धमकी व दुर्व्यवहार का आरोप, थाने पहुंचा मामला

नवप्रदेश संवाददाता सगमा (गढ़वा)। सगमा प्रखंड के कतर कला गांव स्थित राजकीय उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, टोला गढ़कवा में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के गठन के बाद विवाद खड़ा हो गया। भ्रष्टाचार मुक्त राज्य संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष राजेश विश्वकर्मा ने प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (बीपीओ) तहमीना परवीन पर अभद्र व्यवहार, जान से मारने की धमकी देने तथा झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाते हुए धुरकी थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदन में राजेश विश्वकर्मा ने कहा है कि 4 अगस्त को विद्यालय प्रबंधन समिति का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव समाप्त होने के लगभग आधे घंटे बाद प्रखंड



कार्यक्रम पदाधिकारी तहमीना परवीन विद्यालय पहुंचीं। उन्होंने



नवनिर्वाचित सदस्यों की सूची देखने के बाद कथित तौर पर पूछा

कि समिति में ओबीसी वर्ग के प्रतिनिधि का चयन क्यों किया गया। इसके बावजूद कथित रूप से

उन्हें धमकियां दी जाती रहीं। घटना के बाद राजेश विश्वकर्मा ने धुरकी थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पदाधिकारी के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की है। राजेश विश्वकर्मा ने कहा कि एक सरकारी पदाधिकारी द्वारा इस प्रकार का व्यवहार न केवल

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता/लातेहार जिला प्रशासन के निर्देश पर आम नागरिकों की सुविधा एवं लबित प्रमाण पत्र संबंधी आवेदनों के त्वरित निष्पादन के उद्देश्य से बुधवार को बालूमाथ अंचल कार्यालय के सभागार में अंचलाधिकारी बालेश्वर राम ने विशेष प्रमाण पत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और जाति, आय तथा स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन जमा किए शिविर के दौरान अंचल कार्यालय के कर्मियों ने आवेदकों के दस्तावेजों की जांच कर आवेदन स्वीकार किए तथा आवश्यक नुतियों के संबंध में भी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त सभी आवेदनों का नियमानुसार शीघ्र निष्पादन किया जाएगा, ताकि लोगों को समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध हो सके और उन्हें सरकारी योजनाओं, छत्रवृत्ति, शिक्षा एवं अन्य आवश्यक कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।अंचल कार्यालय के कर्मियों ने शिविर में आए लोगों को आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज एवं ऑनलाइन सेवाओं से संबंधित जानकारी भी दी। शिविर के दौरान 50 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन के निर्देशानुसार ऐसे विशेष शिविरों का उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर त्वरित एवं पारदर्शी सेवा उपलब्ध कराना है

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, तीन घायल दो रिस्स रेफर

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता। बारियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत फुलसू डाकादिरा इन्द्रआ ग्रामीण मार्ग पर बुधवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर में तीन लोग घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही बारियातू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया जानकारी के अनुसार हरनी गांव निवासी महेश गझ्र और सदीप गझ्र एक मोटरसाइकिल से किसी परिचित के निघन की सूचना देने जा रहे थे इसी दौरान गिरपट्टी दिशा से जाए क्षेत्र के अलखडीहा निवासी सदीप तुरी अपनी बाइक से आ रहे थे फुलसू डाकादिरा मार्ग पर दोनों मोटरसाइकिलों के अनियंत्रित होकर आमने-सामने टकरा जाने से तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना मिलते ही बारियातू थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को पुलिस वहां से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बालूमाथ ले जाने लगी। रास्ते में 108 एंबुलेंस मिलने पर सभी घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बालूमाथ में डॉ. सुरेंद्र कुमार एवं डॉ. खुशबू कुमार ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। जांच के बाद महेश गझ्र एवं सदीप तुरी की स्थिति गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रिस्स, रांची रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों के सिर, रंर तथा शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर एवं आंतरिक चोट आई हैं। तीसरे घायल का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है।

बालूमाथ की तीन पंचायतों में लगेगा श्रमिक पंजीकरण विशेष

शिविर, BOCW एवं UOW कार्ड बनाने का मिलेगा अवसर

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता। असंगठित श्रमिकों एवं भवन तथा अन्य सन्निर्माण कर्मकारों के शत-प्रतिशत निबंधन के उद्देश्य से श्रम विभाग द्वारा बालूमाथ प्रखंड की तीन पंचायतों में विशेष पंजीकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह शिविर झारखंड असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008 तथा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार बोर्ड के अंतर्गत योग्य श्रमिकों के निबंधन के लिए लगाए जा रहे हैं।श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, बालूमाथ द्वारा जारी पत्र के अनुसार प्रथम चरण में पंचायत सहचिवालय बालूमाथ में 6 अगस्त, बरिसपा में 8 अगस्त तथा चेताम में 12 अगस्त 2026 को विशेष शिविर आयोजित होगा।शिविर के सफल संचालन के लिए संबंधित पंचायत सचिवों को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है।प्रथम विभाग ने सभी मुखिया, पंचायत सचिव एवं पंजीकरण सहयोगियों को शिविर की व्यापक तैयारी करने तथा प्रचार-प्रसार के माध्यम से अधिक से अधिक योग्य श्रमिकों को लाभ दिलाने का निर्देश दिया है। विभाग ने बताया कि पंजीकरण के लिए श्रमिकों को आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर तथा पानस्पॉट आकार का फोटो साब्य लाना अनिवार्य होगा।।प्रम प्रवर्तन पदाधिकारी ने बताया कि प्रथम चरण के बाद शेष पंचायतों में भी विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिसकी सूचना अलग से जारी की जाएगी। इन शिविरों के माध्यम से पात्र श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है।

वज्रपात से किसान की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता। बारियातू थाना क्षेत्र के साल्वे पंचायत अंतर्गत अलगडिहा गांव में बुधवार को धान रोपनी के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से एक किसान की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान बलराम उरांव 41 वर्ष पिला ख. , भोला उरांव, निवासी अलगडिहा के रूप में हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार बलराम उरांव अपनी पत्नी के साथ खेत में धान रोपनी का कार्य कर रहे थे इसी दौरान अचानक तेज बारिश के साथ गर्जन शुरू हो गया। मौसम खराब होते देख दोनों खेत का काम छोड़कर घर लौटने लगे। रास्ते में अचानक आकाशघनी बिजली गिरने से बलराम उरांव उसकी चपेट में आ गए और मौके पर ही अवेत होकर गिर पड़े। उनकी पत्नी कुछ दूरी पर होने के कारण सुरक्षित बच गई।घटना के बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बालूमाथ पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।।अस्पताल प्रबंधन ने घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन को दे दी है। सूचना मिलने के बाद प्रशासन आवश्यक कानूनी प्रक्रिया में जुट गया।बलराम उरांव अपने पीछे पत्नी और दो पुत्र एवं एक पुत्री समेत का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है

बनवारी साहू महाविद्यालय में स्नातक नामांकन का अंतिम अवसर, 7 अगस्त तक बढ़ी आवेदन की तिथि

बीए और बीकॉम में प्रवेश के लिए चांसलर पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन एवं दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि 7 अगस्त

नवप्रदेश/लातेहार। इंटरमीडिएट उतीर्ण छात्र-छात्राओं के लिए बनवारी साहू महाविद्यालय, लातेहार में स्नातक प्रथम सेमेस्टर (बीए एवं बीकॉम) में नामांकन का अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि चांसलर पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने तथा महाविद्यालय में आवश्यक दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 अगस्त 2026 कर दी गई है। महाविद्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार, विश्वविद्यालय ने सभी विषयों में सीटों की संख्या भी बढ़ा दी है। ऐसे में इच्छुक छात्र-छात्राएं अपनी रुचि के अनुसार किसी भी उपलब्ध विषय में नामांकन करा सकते हैं। विभागीय प्रशासन ने पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि के भीतर चांसलर पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी करें तथा आवश्यक दस्तावेज महाविद्यालय में जमा कर नामांकन सुनिश्चित करें। निर्धारित तिथि के बाद किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

विभिन्न प्रखंडों में कार्यक्रम कर माताओं को स्तनपान एवं बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के महत्व के प्रति करें जागरूक

विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर जिला समाज कल्याण विभाग,

नवप्रदेश/लातेहार। बुधवार को समाहरणालय में विभिन्न प्रखंडों की बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षक के साथ उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में बैठक कर कार्यक्रम के महत्व और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के विभिन्न आयामों पर चर्चा करते हुए प्रार प्रसार करने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि शिशु के स्वस्थ विकास एवं मातृ स्वास्थ्य के लिए स्तनपान अत्यंत आवश्यक है। विश्व स्तनपान सप्ताह का उद्देश्य माताओं,परिवारों एवं समाज को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा नवजात शिशुओं को जीवन के प्रारंभिक छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए प्रेरित करना है। जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीणों के बीच बैठक कर स्तनपान के लाभ, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संतुलित पोषण तथा कुपोषण की रोकथाम से संबंधित संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे। साथ ही, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के संदेश को जन जन तक पहुंचाएंगे। इस दौरान आमजन को स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारीयां भी उपलब्ध कराई जाएं। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी,बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अनीता कुमारी एवं विभिन्न प्रखंडों की महिला पर्यवेक्षक उपस्थित थीं।

वार्ड नंबर 5 में पीसीसी सड़क व नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास

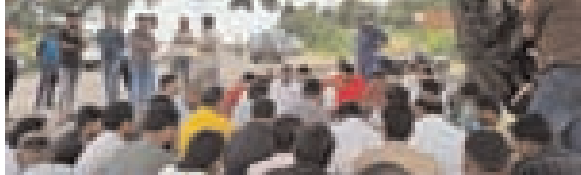
9.90 लाख रुपये की लागत से बनेगी सड़क, नगर अध्यक्ष शीला चौधरी ने कहा विकास कार्यों को दी जा रही प्राथमिकता

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज. नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 5 में बुधवार को पीसीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया. उर्दीन अंसारी के घर से प्रमोद रवि के घर तक लगभग 9 लाख 90 हजार की लागत से बनेने वाली सड़क व नाली का शिलान्यास नगर अध्यक्ष कुमारी शीला चौधरी, उपाध्यक्ष सुशील कुमार रवि तथा वार्ड पार्षद पुष्पा देवी ने संयुक्त रूप से किया. इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वार्ड के लोग लंबे समय से जर्जर सड़क की समस्या से परेशान थे. सड़क एवं नाली निर्माण से लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी और जलजमाव की समस्या से भी राहत मिलेगी. उन्होंने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है. मौके पर विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, अध्यक्ष प्रतिनिधि जानू चौधरी, नगर प्रबंधक नजीबुल्लाह अंसारी, वार्ड पार्षद बाबू बाबू, अमरजौत यादव, त्रिपुरारी राम, अनुज कुमार, महताब आलम, पवन कुमार, प्रमोद रवि, पवन पासवान, मुकेश मेहता, जेड सुबोध कुमार व कुलदीप कुमार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे.

12 नंबर चेक पोस्ट विवाद पर बनी सहमति 15 दिनों में सड़क मरम्मत शुरू होगी, आंदोलन समाप्त

प्रबंधन ने कानूनी कार्रवाई नहीं करने का दिया आश्वासन,लॉडिंग व्यवस्था एवं जीपीएस, आरसीआर संबंधित समस्या पर चर्चा:

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता/ बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत सीसीएल की मगध-संमित्रा कोल परियोजना क्षेत्र में 12 नंबर चेक पोस्ट से जुड़ी समस्याओं की लेकर बुधवार को वाहन मालिकों, परिवहन प्रतिनिधियों एवं परियोजना प्रबंधन के बीच महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रस्तावित आंदोलन, जीपीएस, आरसीआर मोड, कोयला लोडिंग तथा परिवहन मार्ग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर



विस्तृत चर्चा हुई। वार्ता के बाद दोनों पक्षों के बीच कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बन गई, जिसके बाद प्रस्तावित आंदोलन समाप्त कर दिया गया।बैठक में निर्णय लिया गया कि 12 नंबर चेक पोस्ट पर अनावश्यक जाम की स्थिति नहीं बनेने दी जाएगी। साथ ही स्टॉक संख्या 66/67 से आरसीआर लोडिंग नहीं कराई जाएगी। इसके स्थान पर स्टॉक संख्या 52, 62 एवं 84 से लोडिंग करने पर सहमति

बनी। परियोजना प्रबंधन ने कोयला परिवहन मार्ग के चौड़ीकरण एवं मरम्मत की मांग स्वीकार करते हुए अगले 15 दिनों के भीतर सड़क मरम्मत और चौड़ीकरण का कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया।प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित आंदोलन के संबंध में किसी भी वाहन मालिक,चालक अथवा प्रतिनिधि के विरुद्ध किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ ही बताया गया

कि 6 अगस्त को अर्वातिका परिसर में जीएम राजीव सिंह की अध्यक्षता में एक और बैठक आयोजित होगी, जिसमें शेष लंबित बिंदुओं पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।बैठक में परियोजना प्रबंधन के अधिकारी, डिस्पैच अधिकारी, वाहन मालिक संघ के पदाधिकारी एवं परिवहन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।बैठक के सकारात्मक परिणाम से वाहन मालिकों और प्रबंधन के बीच जारी गतिरोध समाप्त हो गया है। इससे क्षेत्र में कोयला परिवहन व्यवस्था के सुचारु संचालन और शीघ्र समाधान की उम्मीद जताई जा रही है।

बिजली व्यवस्था सुधारने की मांग पर महाप्रबंधक से मिले सांसद प्रतिनिधि

नवप्रदेश प्रतिनिधि, हरिहरगंज. हरिहरगंज एवं पीपरा प्रखंड में लगातार बनी बिजली संकट की समस्या को लेकर भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि राजीव रंजन ने बुधवार को विद्युत महाप्रबंधक श्रवण कुमार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा. उन्होंने क्षेत्र में लो वोल्टेज, अनियमित बिजली आपूर्ति, बार-बार बिजली कटौती, जर्जर विद्युत व्यवस्था तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं से अवगत कराया. महाप्रबंधक ने मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया. राजीव रंजन ने कहा कि दोनों प्रखंडों के हजारों उपभोक्ता लंबे समय से बिजली की समस्या झेल रहे हैं'. लगातार बिजली की आवाजाही से आम जनजीवन, किसानों की सिंचाई, विद्यार्थियों की पढ़ाई और छोटे व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं'. उन्होंने बताया कि इन समस्याओं को लेकर 3 अगस्त 2026 को हरिहरगंज विद्युत सब स्टेशन परिसर में धरना-प्रदर्शन कर पांच सूत्री मांगपत्र सौंपा गया था. उसी के आलोक में महाप्रबंधक से विस्तृत वार्ता की गयी. ज्ञापन में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति, लो वोल्टेज की समस्या का समाधान, जर्जर तार व उपकरणों का प्रतिस्थापन, खराब ट्रांसफॉर्मरों को शीघ्र बदलने तथा उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निष्पादन की मांग की गयी. साथ ही भविष्य की जरूरतों को देखते हुए विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने का आग्रह भी किया गया. महाप्रबंधक श्रवण कुंमार ने कहा कि विभाग तकनीकी समीक्षा कर जहां संभव होगा वहां तत्काल सुधार कार्य कराया जाएगा तथा दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे. बैठक के बाद राजीव रंजन ने कहा कि क्षेत्र की जनता को नियमित और बेहतर बिजली आपूर्ति मिलने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा.

जहां कभी लगती थी नक्सलियों की जन अदालत वहीं अब पुलिस चौपाल में सुनी जा रही जनता की फरियाद

एसपी कुमार गौरव की पहल पर अति नक्सल प्रभावित चेतार गांव में पुलिस-जन संवाद, ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं

नवप्रदेश/लातेहार। कभी नक्सलियों की गोलियों की गूंज और जन अदालत के लिए कुख्यात रहा चंदवा प्रखंड का चेतार गांव अब बदलते हालात की नई तस्वीर पेश कर रहा है। लातेहार पुलिस की लगातार कार्रवाई और एसपी कुमार गौरव के नेतृत्व में चलाए गए अभियान का असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जिस स्थान पर



कभी नक्सलियों का खौफ था, वहीं अब पुलिस अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर अति नक्सल प्रभावित

चेतर गांव में लातेहार एसडीपीओ सदीप कुमार गुला एवं चंदवा थाना प्रभारी इंसैक्टर मनोरंजन सिंह ने ग्रामीणों के साथ पुलिस चौपाल का आयोजन किया। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, साइबर अपराध, नशामुक्ति तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने को लेकर जागरूक किया। उन्होंने लोगों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की

सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की तथा भरोसा दिलाया कि प्रभारी हमेशा जनता की सुरक्षा और सहायता के लिए तत्पर है। ग्रामीणों ने भी पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पहले जहां इस इलाके में भय और असुरक्षा का माहौल था, वहीं अब पुलिस की सक्रियता से लोगों में विश्वास बढ़ा है। पुलिस चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों और पुलिस के बीच संवाद मजबूत होने के साथ-साथ क्षेत्र में शांति एवं विकास का वातावरण भी सुदृढ़ हो रहा है।

अभिभावकों की कम उपस्थिति से टला विद्यालय प्रबंधन समिति का चुनाव

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज. हरिहरगंज प्रखंड के अररुआ कला गांव स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय में सोमवार (3 अगस्त) को प्रस्तावित विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) का चुनाव अभिभावकों की कम उपस्थिति के कारण स्थगित कर दिया गया। अब यह चुनाव आगामी 8 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे विद्यालय परिसर में कराया जाएगा। यह निर्णय उपस्थित ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं विद्यालय प्रबंधन की सर्वसम्मति से लिया गया। विद्यालय प्रबंधन समिति के चुनाव के लिए पर्यवेक्षक के रूप में संतोष कुमार सिंह एवं देवेंद्र कुमार यादव की प्रतिनियुक्ति की गई थी। चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले अभिभावकों की उपस्थिति दर्ज की गई, लेकिन विद्यालय में कक्षा एक से आठवीं तक अध्ययनरत 264 विद्यार्थियों की तुलना में मात्र 25 अभिभावक ही पहुंचे। निर्धारित उपस्थिति पूरी नहीं होने के कारण चुनाव कराना उचित नहीं माना गया। इस दौरान वार्ड संख्या-11 के वार्ड पार्षद रामजी पासवान ने सुझाव दिया कि इतनी कम उपस्थिति में चुनाव कराने से समिति का सही गठन नहीं हो पाएगा। उन्होंने कहा कि अधिकांश अभिभावकों को चुनाव की समुचित सूचना नहीं मिल सकी। केवल बच्चों के माध्यम से सूचना भेजी गई थी, जिसके कारण बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित नहीं हो सके। उनके सुझाव पर उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से चुनाव स्थगित कर नई तिथि निर्धारित करने का निर्णय लिया। वार्ड पार्षद रामजी पासवान ने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे आगामी 8 अगस्त को अधिक से अधिक संख्या में विद्यालय पहुंचकर विद्यालय प्रबंधन समिति के चुनाव में भाग लें, ताकि लोकतांत्रिक एवं पारदर्शी तरीके से समिति का गठन हो सके। मौके पर प्रधानाध्यापक नरेंद्र कुमार सिंह, नवनीत कुमार, आनंद प्रसाद, अशोक कुमार, बाल योगेश्वर साव, कर्मा देवी, बोरबल राम, राजन पासवान, सावित्री देवी, जयनाथ पासवान, कंप्यूटर शिक्षिका जूही कुमारी सहित कई ग्रामीण एवं अभिभावक उपस्थित थे।

विशेष गहन पुनरीक्षण 2026: मतदाता सूची में नाम जोड़ने व संशोधन के लिए लातेहार पुलिस और जिला प्रशासन की अपील

18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवा कराएं पंजीकरण, ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आवेदन की सुविधा

नवप्रदेश/लातेहार। लातेहार पुलिस एवं जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से जिले के सभी नागरिकों, विशेषकर युवाओं से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) -2026 के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन करने एवं स्थानांतरण



कराने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि समय पर मतदाता पंजीकरण करारक प्रत्येक नागरिक

लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।प्रशासन के अनुसार, 18 वर्ष की आयु पूर्ण

कर चुके सभी पात्र युवा नए मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 एवं घोषणा-पत्र भरें। वहीं, जो नागरिक वर्तमान में झारखंड के निवासी हैं, लेकिन उनका नाम किसी अन्य राज्य की मतदाता सूची में दर्ज है, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ फॉर्म-8 एवं घोषणा-पत्र भरकर अपना नाम स्थानांतरित करा सकते हैं। इसके अलावा, यदि किसी परिवार के सदस्यों के नाम अलग-

अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज हैं, तो उन्हें एक ही निकटवर्ती मतदान केंद्र पर स्थानांतरित कराने के लिए भी फॉर्म-8 भरने की व्यवस्था उपलब्ध है।प्रशासन ने बताया कि मतदाता सूची से संबंधित आवेदन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किए जा सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के लिए मतदाता सेवा पोर्टल तथा ईसीआईएन मोबाइल एप का उपयोग किया जा सकता है। वहीं,

ऑफलाइन आवेदन के लिए संबंधित क्षेत्र के बृथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) से संपर्क कर निर्धारित प्रपत्र जमा किया जा सकता है। लातेहार पुलिस एवं जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से समय पर अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने तथा आवश्यक संशोधन करारक लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में सक्रिय सहयोग देने की अपील की है।

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने किया प्रेस कॉन्फ्रेंस

मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित, 04 सितंबर तक दर्ज किए जा सकेगे दावे एवं आपतियां

नव प्रदेश संवाददाता
जिला निर्वाचन पदाधिकारी, सह. उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण (रस्क). 2026 से संबंधित कार्यों एवं आगामी गतिविधियों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि 20 जून से 29 जून 2026 तक तैयारी, प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्रों की छपाई का कार्य किया गया। इसके बाद 30



तथा द्वितीय विशेष शिविर 22 एवं 23 अगस्त 2026 को आयोजित किए जाएंगे। सभी संबंधित बीएलओ शिविर में उपस्थित रहकर दावा एवं आपत्ति प्राप्त करेंगे। रस्क के तहत 15 अगस्त 2026 को संबंधित पंचायत भवनों में ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सभा में पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी मतदान

परिवारवार मतदाता विवरण का सत्यापन करते हुए सभी घरों पर निर्धारित स्टिकर लगाया जाएगा। दावों एवं आपतियों के समयबद्ध निष्पादन के लिए मतदान केंद्रों का आवंटन निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के बीच किया गया है। इनमें अनुमंडल पदाधिकारी कोडरमा निर्मल सोरेन, कार्यपालक दंडाधिकारी मनोज कुमार रवि, अंचल अधिकारी कोडरमा रवि भूषण प्रसाद, प्रखंड विकास पदाधिकारी डोमचांच भोला पांडेय, अंचल अधिकारी डोमचांच रविंद्र कुमार पांडेय तथा अंचल अधिकारी मरकच्चे परमेश्वर कुशवाहा शामिल हैं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे प्रारूप मतदाता सूची में अपने एवं अपने परिवार के सदस्यों के नाम तथा विवरण की जांच आवश्यक कर लें। किसी प्रकार की त्रुटि, नाम छूटने अथवा अन्य संशोधन की आवश्यकता होने पर निर्धारित अवधि के अंदर संबंधित बीएलओ अथवा विशेष शिविर में दावा-आपत्ति प्रस्तुत करें। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उप विकास आयुक्त रवि जैन, अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन, उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार एवं विभिन्न मीडिया संस्थानों के संवाददाता व अन्य मौजूद रहे।

झारखंड में सबसे पहले चंदवारा पैक्स लि. को मिला ग्रामीण जलापूर्ति योजना का कार्य

नव प्रदेश संवाददाता/ चंदवारा (कोडरमा)। चंदवारा प्रखंड अंतर्गत थाम पंचायत में चंदवारा पैक्स लिमिटेड को झारखंड में सबसे पहले ग्रामीण जलापूर्ति योजना के कार्य का दायित्व मिला है। इस उपलब्धि से क्षेत्र के ग्रामीणों एवं किसानों में खुशी का माहौल है। चंदवारा पैक्स लिमिटेड के अध्यक्ष बिजेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि पैक्स पूरी गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ योजना का क्रियान्वयन करेगा, ताकि इसका लाभ प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचे। उन्होंने कहा, ग्रामीणों और किसानों की सेवा करना मेरी पहली प्राथमिकता है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पूरी ईमानदारी के साथ धरातल पर उतारना हमारी जिम्मेदारी है। इस योजना से थाम पंचायत के लोगों को बेहतर पेयजल सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। पैक्स को इस महत्वपूर्ण योजना का कार्य मिलने से चंदवारा प्रखंड के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि योजना का कार्य समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा होगा, जिससे ग्रामीणों और किसानों को लंबे समय तक इसका लाभ मिल सके। इस मौके पर रूमा झा जिला सहकारिता पदाधिकारी, आकाश शुभम सहायक निबंधक, अनुज कुमार सिन्हा कार्यपालक अभियंता पेयजल स्वच्छता प्रमंडल,सुरज कुमार दास सहायक अभियंता, संजय कुमार सहकारिता प्रसार पदाधिकारी चंदवारा, भीमा किंडो, रामचंद्र यादव पिपराडीह पैक्स अध्यक्ष, परमेश्वर साव आगरागो पैक्स अध्यक्ष सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

तितरयांच में लाखों की हुई चोरी, आभूषण समेत ढाई लाख रुपये नकदी ले उड़े चोर

नव प्रदेश संवाददाता/चंदवारा (कोडरमा)। चंदवारा थाना क्षेत्र के तितरचांच गांव में अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर घर में रखे सोने-चांदी के आभूषणों के साथ करीब ढाई लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित मेघलाल राम पिता खेमन राम पूरे परिवार के साथ अपनी बेटी के सरसाल मंगलवार की शाम को किसी धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे। रात्रि में अज्ञात चोरों के द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया चोरी गए सामान की कुल कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। घटना की सूचना चंदवारा थाना पुलिस को दे दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। वहीं पीड़ित मेघलाल राम ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है।

डेढ़ लाख रुपए लूट मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

चांडिल : कपाली पुलिस ने माइक्रो फाइनेंस कंपनी एजेंट से 1लाख 50 हजार लूट मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।जो कपाली के गौसनगर के रहने वाला शाहिद अंसारी है।ओपी प्रभारी अभीनाश कुमार ने जानकारी दिये कि बोते मई में डेमडुकी में माइक्रो फाइनेंस कंपनी एजेंट से 1 लाख 50 हजार की लूट हुई थी जिसमें एक अभियुक्त को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।शाहिद अंसारी फरार चल रहा था जिसको गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर में शांति समिति की बैठक, काटिया में होगा मुख्य कार्यक्रम बिरसा स्टेडियम

चांडिल : 79वें स्वतंत्रता दिवस को लेकर बुधवार को चांडिल अनुमंडल कार्यालय सभागार में अनुमंडल पदाधिकारी नितिन शिवम गुप्ता की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में स्वतंत्रता दिवस हषौल्लास के साथ मनाने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।एसडीओ ने बताया कि इस स्वतंत्रता दिवस का मुख्य कार्यक्रम काटिया स्थित बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम में परेड,सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विभिन्न विभागों की झांकियां शामिल होंगी।बैठक मेंपेयजल,बिजली,साफ-सफाई,मैंडिकल टीम पर विस्तार से चर्चा हुई।एसडीओ ने संबंधित विभागों को 15 अगस्त से पहले सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया।साथ ही एसडीओ ने सभी सरकारी कार्यालय में निर्धारित समय में ध्वजारोहण करने का निर्देश दिया। बैठक में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय चांडिल,नीमडीह,ईचागढ़ होलीक्रास बेड़ादा,नौरंगराय सूर्या देवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर चांडिल,ओमी मेमोरियल जूनियर स्कूल समेत कई विद्यालय के प्रधानाचार्य मौजूद थे।

झारखंड के छात्रों की आवाज को अनसुना करना लोकतंत्र और युवाओं के भविष्य, दोनों के साथ अन्याय : अन्नपूर्णा देवी

भाजपा ने सड़क से सदन तक छात्रों की आवाज बुलंद की, भाजपा के जनदबाव से सरकार को कार्रवाई के लिए होना पड़ा मजबूर : अन्नपूर्णा देवी

झारखंड के छात्रों के मुद्दे पर राहुल गांधी की चुप्पी क्यों? क्या छात्रों का दर्द भी सरकार देखकर तय होता है? : अन्नपूर्णा देवी

लाखों छात्र. छात्राएँ कई दिनों से अपने भविष्य और न्यायपूर्ण अधिकारों की मांग को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं। यह केवल भर्ती परीक्षा का मुद्दा नहीं, बल्कि युवाओं के विश्वास, उनके परिश्रम और उनके भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। आज चार छात्र भूख हड़ताल पर बैठे हैं और हजारों छात्र न्याय की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं, लेकिन राज्य सरकार की संवेदनहीनता चिंताजनक है। न कोई सार्थक

पहल हो रही है और न ही कोई जिम्मेदार प्रतिनिधि छात्रों से संवाद करने पहुँच रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि राहुल गांधी और INDI गठबंधन के वे नेता, जो देशभर में छात्रों के नाम पर राजनीति करते हैं, आज झारखंड के लाखों युवाओं के आंदोलन पर मौन क्यों हैं? क्या छात्रों का दर्द भी राज्यों छत्र न्याय की मांग को लेकर अनदेखकर देखकर तय किया जाएगा? छात्रों को बर्गलाने की राजनीति करने वाले राहुल गांधी का झारखंड के छात्रों के प्रति

यह दोहरा आचरण दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकार से मांग की कि खडरउ, खररउ तथा अन्य सभी विवादित भर्ती प्रक्रियाओं की उइकसे से निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही प्रतिबंधित एजेंसी TDPL द्वारा आयोजित सभी भर्ती परीक्षाओं को तत्काल निरस्त कर पारदर्शी एवं

निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत पुनः आयोजित किया जाए, ताकि युवाओं का विश्वास बहाल हो सके। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रारंभ से ही इस विषय को गंभीरता से उठाती रही है। जिसके परिणाम स्वरूप उइकू ने कार्रवाई शुरू की और खडरउ अध्यक्ष को इस्तीफा देना पड़ा।



नव प्रदेश संवाददाता/जयनगर। भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 के तहत बरकझु विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जयनगर प्रखंड के सभी 132 मतदान केंद्रों पर मंगलवार को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की गई। प्रखंड में कुल 1,02,515 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 11,478 नाम संग्रहणीय सूची तथा 21,622 नाम विसंगति श्रेणी में चिह्नित किए गए हैं, जिनका सत्यापन किया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी ने कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बीडीओ ने बताया कि 5 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन के लिए दावा एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। नए मतदाता फॉर्म-6 तथा त्रुटि सुधार के लिए फॉर्म-8 भर सकते हैं। सभी आवेदनों के निष्पादन के बाद 7 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। प्रशासन ने पात्र मतदाताओं से समय पर आवेदन करने की अपील की है।

जयनगर में प्रखंड स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक
नव प्रदेश संवाददाता/जयनगर। प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित प्रखंड स्तरीय बैंकर्स समिति (बीएलबीसी) की बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई), मुद्रा ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) तथा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) ने बताया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत 28 जुलाई से 17 अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सभी बैंकों को कम-से-कम पांच नए आवेदन प्राप्त करने तथा एक आवेदन स्वीकृत करने का लक्ष्य दिया गया है। साथ ही 15 अगस्त तक प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना एवं किसान क्रेडिट कार्ड के सभी लंबित आवेदनों का निष्पादन करने के निर्देश दिए गए। भारतीय स्टेट बैंक, जयनगर शाखा, बैंक ऑफ इंडिया, परसाबाद शाखा तथा झारखंड ग्रामीण बैंक, परसाबाद शाखा को लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा करने को कहा गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने पर जोर दिया। बैठक में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबाई), उद्योग विभाग, कृषि विभाग के अधिकारी तथा सभी बैंक शाखाओं के प्रबंधक उपस्थित रहे।

कोडरमा कॉलेजों की VBU से अलग करने के प्रस्ताव पर अभाविप का विरोध, आंदोलन की चेतावनी

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) कोडरमा जिला ने कोडरमा के महाविद्यालयों को विनोबा विश्वविद्यालय, हजारीबाग से हटाकर रज जे. सी. बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह से संबद्ध करने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है। जिला संयोजक अतुल आनंद ने कहा कि यह फैसला हजारों छात्र-छात्राओं के हितों के खिलाफ है। उन्होंने बताया कि हजारीबाग की तुलना में गिरिडीह की दूरी अधिक होने से विद्यार्थियों को नामांकन, परीक्षा, प्रमाण-पत्र और अन्य विश्वविद्यालयी कार्यों के लिए अतिरिक्त आर्थिक व शैक्षणिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। नगर मंत्री सुधांशु यादव ने खडरउ सहित विभिन्न प्रतिगोपी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक और अनियमितताओं पर भी चिंता जताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। अभाविप ने कहा कि परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और तकनीकी सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। परिषद ने चेतावनी दी कि यदि दोनो मुद्दों पर जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो छात्रहित में वरणबद्ध आंदोलन, धरना. प्रदर्शन और लोकतांत्रिक संघर्ष तेज किया जाएगा।

आकाश पासवान की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन
नव प्रदेश संवाददाता/डोमचांच। प्रखंड के पुरनाडीह पंचायत अंतर्गत रायडीह गांव में बुधवार को दिवंगत आकाश पासवान की स्मृति में शोक एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। 27 वर्षीय आकाश पासवान को 26 जुलाई को आकस्मिक निधन हो गया था, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। श्रद्धांजलि सभा की शुरूआत दो मिनट का मौन रखकर की गई। इसके बाद उपस्थित लोगों ने स्व. आकाश के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासमन अर्पित किए तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। सभा में जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, राजद नेता सुभाष प्रसाद यादव, पुरनाडीह मुखिया पुष्प यादव, समाजसेवी सुरेश दयाल, राजू पासवान, पुर्व मुखिया मदन मोहन सिंह, मिथलेश साव, पासवान अमर मंच अध्यक्ष विजय पासवान, लखेंद पासवान, उपेंद्र सिंह, बबलू सिंह ल, विजय सिंह, राजू पासवान, सुरेश दयाल, पवन सिंह, परमानंद सिंह, कैलाश सिंह सहित कई जगप्रतिनिधि एवं समाजसेवी शामिल हुए।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने किया ईवीएम वेयरहाउस का बाह्य निरीक्षण

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता द्वारा बुधवार को ईवीएम वेयरहाउस का बाह्य निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, अग्निशमन उपकरण, प्रवेश पंजी तथा परिसर की साफ. सफाई का जायजा लिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा. निर्देशों के अनुरूप ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा नियमित रूप से निगरानी करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी दिजय कुमार सोनी समेत निर्वाचन शाखा के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा में 10 दिवसीय 'कोडरमा प्रीमियर लीग' क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज
नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा में प्राचार्य राजेश कुमार के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में 10 दिवसीय कोडरमा प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में संस्थान की पांच टीमें बाइरनरी ब्लास्ट, इलेक्ट्रो कोडर्स, ब्लैक डायमंड, पाइथन 11 और अल्का स्टार्डस्क्रैप्स खिताब के लिए मैदान में उतरी हैं। टूर्नामेंट का उद्घाटन वीरों वीर्याख्यात डॉ. उमेश कुमार ने रिबन काटकर तथा बल्लेबाजी कर किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि टीम भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और आपसी सहयोग का संशक्त मंच है। खेल प्रभारी संतोष कुमार ने खिलाड़ियों से समयपालन, अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की तथा खेल को व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उद्घाटन मैच से पहले डॉ. उमेश कुमार ने पाइथन 11 के कप्तान विजय कामरान और अल्का स्टार्डस्क्रैप्स के कप्तान विश्वनाथ रवानी के बीच टॉस करार कर मुकाबले का शुभारंभ कराया। प्राचार्य राजेश कुमार ने अपने संदेश में कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न अंग है। विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीमवर्क की भावना विकसित करता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में व्याख्याता सोहन टोपा, मनोज यादव, भूपेंद्र कुमार, संजय कुमार, अखिलेश कुमार, होरीलाल कुमार सहित शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र. छात्राएं मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह उत्साह और खेल भावना के माहौल में संपन्न हुआ।

भाजपा खरसावां पश्चिम मंडल की बैठक में संगठन मजबूती पर मंथन

खरसावां : - भाजपा के आमदा में भाजपा के खरसावां पश्चिम मंडल की बैठक बुधवार को हुई। मंडल अध्यक्ष धर्मेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें संगठन को संशक्त बनाने व संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा हुई। इसमें मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दूसरे चरण की तैयारी, बीएलए-2 प्रशिक्षण व कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों पर चर्चा हुई। इसके अलावा संत रविदास जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी और हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बेदरा, प्रधान माटीसोय, प्रधाां महतो, विजय महतो, प्रदीप प्रधान, सुशील महतो, पंकज पति, विषकेंद्र प्रधान सहित मंडल के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नीमडीह पश्चिमी मंडल अट्यक्ष जयंत रजक ने पौधरोपण कर मनाया जन्मदिन

चांडिल : भाजपा नीमडीह पश्चिमी मंडल अध्यक्ष जयंत ने अपने जन्म दिन पौधरोपण कर मनाया। इस अवसर पर जिला मंत्री पप्पू वर्मा के साथ नीमडीह पश्चिमी मंडल के कार्यकर्ताओं ने कैक काटकर शुभकामनाएं और लंबी उम्र कि प्रार्थना की। पप्पू वर्मा ने पौधरोपण पर प्रकाश डालते हुए लोगों से पेड़ लगाने से पर्यावरण संरक्षित रहेगी। उन्होंने कहा कि हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम ऐसी चीज का उपयोग न करें जो कि हमारे पर्यावरण के लिए धाक है। मौके पर सुमन मुखर्जी, भरत गोप, मिहिर महतो, चोधरी प्रामाणिक, नारायण गोप, मिडिया प्रभारी मनोहर दास, निगेन महतो, महादेव गोप,भीम महतो,शिव शंकर पांडे, गौतम दास,आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ला लीगा: टेंडन की चोट के कारण एस्पनयोल के किके गार्सिया शुरुआती राउंड से बाहर मैड्रिड,

नए ला लीगा सीजन के लिए एस्पनयोल की तैयारियों को बड़ा झटका लगा है। अनुभवी स्ट्राइकर किके गार्सिया टेंडन की चोट के कारण सीजन के शुरूआती हफ्तों में नहीं खेल पाएंगे; उन्हें सर्जरी की जरूरत होगी। 36 वर्षीय फॉरवर्ड शनिवार को इंग्लिश चैंपियनशिप टीम मिडिल्सब्रॉ के खिलाफ एस्पनयोल के प्री-सीजन फ्रेंडली मैच के दौरान चोटिल हुए थे। इंग्लिश क्लब के लिए खेल चुके गार्सिया को सिर्फ 18 मिनट में ही मैदान छोड़ना पड़ा और उनके स्थान पर सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी उतारा गया। जब टीम बार्सिलोना लौटी, तो मैडिकल जांच में गार्सिया के दाहिने पैर में टेंडन डैमेज की पुष्टि हुई। इस चोट ने नए सीजन से पहले कोच मनोलो गोंजालेज को बड़ा झटका दिया है। बुधवार को गार्सिया की सर्जरी होगी, जिसकी पुष्टि ह्यास्पनयोलह्म ने की है। हालांकि, क्लब ने उनके ठीक होने के लिए कोई आधिकारिक समय-सीमा नहीं बताई है, लेकिन स्पेनिश मीडिया की रिपोर्ट्स से संकेत मिलता है कि अनुभवी स्ट्राइकर के कम से कम दो महीने तक बाहर रहने की उम्मीद है, जिससे वे ला लीगा सीजन के शुरूआती चरण से बाहर हो जाएंगे। गार्सिया पिछले सीजन में एस्पनयोल के सबसे प्रभाव-शाली खिलाड़ियों में से एक थे, जिन्होंने आठ लीग गोल करते हुए अहम भूमिका निभाई। गार्सिया का अनुभव एक मुश्किल सीजन के दौरान बहुत काम आया, जिसमें बार्सिलोना स्थित क्लब ने टॉप-फ्लाइट स्टेटस बनाए रखने के लिए संघर्ष किया। एस्पनयोल ने एक उतार-चढ़ाव भरा सीजन देखा है। सीजन के पहले हाफ में यह टीम काफी समय तक यूरोपियन क्वालिफिकेशन स्पाॅट की दौड़ में बनी रही, लेकिन फिर लगातार 18 मुकाबलों में जीत न मिलने के कारण टीम को रेलींगेशन में उलझना पड़ा। अब एस्पनयोल 16 अगस्त को नए प्रमोट हुए लेवांते के खिलाफ घरेलू मैदान पर अपने 2026-27 ला लीगा सीजन की शुरुआत करेगा। गार्सिया की गैर-मौजूदगी से अटेक में क्लब के पास अनुभव की कमी हो गई है। आलम ये है कि कोचिंग स्टाफ को अब दूसरे विकल्पों पर विचार करना पड़ रहा है, क्योंकि वे सीजन के शुरूआती मुकाबलों की तैयारी कर रहे हैं और साथ ही सर्जरी के बाद अनुभवी खिलाड़ी के जल्द फिट होने की उम्मीद कर रहे हैं।

द हंड्रेड: टूनार्मंट के बीच में ही एडेन मार्करम ने छोड़ा मेनचेस्टर सुपर जायंट्स का साथ, बटलर बने कप्तान मेनचेस्टर,

द हंड्रेड 2026 के मौजूदा सीजन के बीच मेनचेस्टर सुपर जायंट्स (एमएसजी) को एक झटका लगा है। टीम के कप्तान एडेन मार्करम निजी कारणों से टूनार्मंट को बीच में ही छोड़कर घर लौट गए हैं। उनके स्थान पर माइकल ब्रेसवेल को टीम में शामिल किया गया, जबकि कप्तानी का जिम्मा जोस बटलर को मिला है। क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, एडेन मार्करम द हंड्रेड 2026के शेष मैच नहीं खेल सकेंगे। मार्करम निजी कारणों के चलते इंग्लैंड में जारी टूनार्मंट के बीच में ही साउथ अफ्रीका लौट गए हैं। फ्रेंचाइजी ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मेनचेस्टर सुपर जायंट्स पुष्टि कर सकती है कि पुरुष टीम के कप्तान एडेन मार्करम निजी कारणों से साउथ अफ्रीका लौट गए हैं। सुपर जायंट्स में हर कोई इस समय एडेन को शुभकामनाएं देता है और इस साल की प्रतियोगिता के दौरान टीम में उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद देता है। एडेन मार्करम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), एसए20 और द हंड्रेड में सुपर जायंट्स फ्रेंचाइजी की तीनों टीमों का हिस्सा हैं। मार्करम ने द हंड्रेड में अब तक कुल 5 मैच खेले हैं, जिसमें 23.40 की औसत के साथ 117 रन बनाए। मार्करम ने हाल ही में एमआई लंदन के खिलाफ 50 रन की पारी खेली थी। दूसरी ओर, बटलर मौजूदा सीजन में शानदार फॉर्म में दिख रहे हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने सिर्फ पांच मुकाबलों में 112 की शानदार औसत से 226 रन बनाए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद पहली बार कप्तानी की भूमिका संभालते हुए वह अपनी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। एमएसजी को द हंड्रेड 2026 में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने अब तक अपने शुरूआती पांच मुकाबलों में से सिर्फ दो जीते हैं। तीन में मुकाबलों में इस टीम को हार का सामना करना पड़ा है। यह टीम फिलहाल प्लाईवुड टेबल में छठे पायदान पर है, जिसे नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीद कायम रखने के लिए शेष मुकाबलों में जोरदार वापसी करनी होगी।

तमिलनाडु: सीएम विजय ने कॉमनवेल्थ में पदक जीतने वाले एथलीटों को किया सम्मानित



चेन्नई,

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को सचिवालय में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पदक जीतने वाले तमिलनाडु के एथलीट राजा मुथुपंडी, प्रवीण चित्रवेल और सेल्वा प्रभु को कुल 80 लाख रुपये के चेक दिए। तमिलनाडु को खेल के क्षेत्र में भारत का शीर्ष राज्य बनाने के मकसद से, राज्य सरकार कई कदम उठा रही है, जिसमें विश्व-स्तरीय प्रशिक्षण देना, नकद पुरस्कार देना, राज्य के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अच्छा करने के लिए सक्षम बनाना और खेल संरचना का विकास शामिल है। मुख्यमंत्री ने विजय ने अपने वादे के मुताबिक, स्कॉटलैंड के ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों के 65 किग्ना चेटलिफ्टिंग इवेंट में रजत पदक जीतने वाले थ्युक्कुड़ी जिले के राजा मुथुपंडी को 30 लाख रुपये का चेक दिया। एथलीट प्रवीण चित्रवेल के पिता एस. चित्रवेल को 30 लाख रुपये दिए गए। तिरुवर्कर जिले के रहने वाले प्रवीण चित्रवेल ने पुरुषों के ट्रिपल जंप इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। वह स्पोर्ट्स डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ तमिलनाडु (एसडीएटी) के हॉस्टल ट्रेनी रह चुके हैं। वह फिलहाल खेल कोटे से तमिलनाडु न्यूजप्रिंट एंड पेपर्स लिमिटेड में काम करते हैं। मुख्यमंत्री ने मद्रुरै जिले के सेल्वा प्रभु को 20 लाख रुपये का चेक दिया। सेल्वा ने पुरुषों के ट्रिपल जंप इवेंट में कांस्य पदक जीता था। वह भी एसडीएटी हॉस्टल के पूर्व ट्रेनी हैं। मुख्यमंत्री ने एथलीटों को उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए बधाई दी। इस कार्यक्रम में सार्वजनिक कार्य और खेल विकास मंत्री आधव अर्जुन, युवा कल्याण और खेल विकास विभाग के सचिव सदीप नंदुरी, और स्पोर्ट्स डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ तमिलनाडु के सदस्य सचिव जे. मेघनाथ रेड्डी शामिल हुए। ग्लासगो में आयोजित हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय दल का प्रदर्शन शानदार रहा है। भारत 39 पदकों के साथ पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। इन पदकों में 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं।

सीडब्ल्यूजी 2026: सीएम-डिप्टी सीएम ने बढ़ाया खिलाड़ियों का मान, गुजरात के स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के इस्तेमाल की पेशकश

गांधीनगर,

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल और उप-मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने ह्यकॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों का स्वागत किया है। इसी के साथ उप-मुख्यमंत्री ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की तैयारियों के बारे में बताते हुए देश भर के खिलाड़ियों के लिए गुजरात के स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर की पेशकश की। मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, ह्य्लासगो से गांधीनगर कॉमनवेल्थ गेम्स का झंडा पहुंचने पर गुजरात के लिए यह गर्व का क्षण है। कैबिनेट बैठक के दौरान हमारे पैरा-एथलीट्स की मौजूदगी में उप-मुख्यमंत्री हर्ष संघवी द्वारा औपचारिक रूप से

सौंपे गए इस झंडे का अर्थ एकता है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सीडब्ल्यूजी 2030 की मेजबानी करने की हमारी यात्रा की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने लिखा, मैं उन सभी शानदार एथलीट्स और पैरा-एथलीट्स को दिल से बधाई देता हूं, जिन्होंने ग्लासगो में 39 मेडल जीतकर भारत का मान बढ़ाया है। उनकी हिम्मत और जुनून हमें प्रेरित करते रहते हैं, क्योंकि हम सीडब्ल्यूजी 2030 को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, उप-मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने मुलाकात की तस्वीरों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, ह्य्लासगो से अहमदाबाद तक, 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स का सफर आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। ग्लासगो से कॉमनवेल्थ गेम्स

आईसीसी रैंकिंग: वनडे रैंकिंग में नीदरलैंड्स के खिलाड़ियों को बढ़त, नामीबियाई खिलाड़ियों को भी फायदा



दुबई,

आईसीसी ने बुधवार को पुरुषों की ताजा वनडे रैंकिंग जारी की है, जिसमें नीदरलैंड्स के खिलाड़ियों को आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। बुधवार को जारी आईसीसी रैंकिंग में डच टीम के कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में काफी सुधार हुआ है। नीदरलैंड्स की टीम लीग 2 प्रतियोगिता में शानदार फॉर्म में है। हाल ही में उन्होंने नेपाल के खिलाफ 57 रन से जीत दर्ज करते हुए स्टैंडिंग में टॉप-4 में अपनी स्थिति मजबूत की, जिससे आईसीसी वर्ल्ड कप क्वालीफायर में जगह बनाने की उनकी उम्मीदें बरकरार हैं। नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने नेपाल के खिलाफ मैच जिताऊ 57 रनों की पारी खेली थी, जिससे उन्हें ताजा रैंकिंग में सबसे ज्यादा फायदा मिला। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में चार स्थान की छलांग लगाई है, जो अब 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। नेपाल पर जीत में डच गेंदबाजों का भी शानदार योगदान रहा, जिसका असर रैंकिंग में देखने को मिला है। मुकाबले में 2 विकेट हासिल करने वाले अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनर रोलोफ वेन डेर मर्व वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में 11 स्थान की छलांग लगाकर 63वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

उसी मैच में तेज गेंदबाज लोगन वैन बीक ने भी 2 विकेट अपने नाम किए थे, जिसके साथ वह तीन स्थान ऊपर चढ़कर 76वें पायदान पर पहुंच गए। नीदरलैंड्स और नामीबिया के साथ खेली गई ट्राई-सीरीज में नेपाल के खिलाड़ियों के प्रदर्शन का भी उन्हें इनाम मिला। विकेटकीपर-बल्लेबाज आसिफ शेख वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर 76वें पायदान पर पहुंच गए हैं। नेपाल की तरफ से गेंदबाजों में, ललित राजवंशी एक स्थान ऊपर चढ़कर 45वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर करण केसी ने नेपाल के लिए सबसे बड़ी छलांग लगाई और वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में सात स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 83वें स्थान पर पहुंच गए। लीग 2 ट्राई-सीरीज का हिस्सा रही नामीबियाई टीम के चार खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और ऑलराउंडर रैंकिंग में बढ़त हासिल की। टीम के बल्लेबाजों में जान फ्रिलिंक ने वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में 16 स्थान की छलांग लगाते हुए संयुक्त रूप से 90वां स्थान हासिल कर लिया है।

नबी की कलाइयों में जादू, आने वाले दिनों में कमाल करेगा: समीउल्लाह बेग

नई दिल्ली,

श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में जम्मु-कश्मीर के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज औकिब नबी का चयन हुआ है। उन्हें चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह भारतीय टेस्ट टीम में पहली बार शामिल किया गया है। भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाने वाले नबी जम्मु-कश्मीर के पहले क्रिकेटर भी हैं। जम्मु-कश्मीर के पूर्व कप्तान समीउल्लाह बेग ने औकिब नबी की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि नबी की कलाइयों में जादू है, अगर उन पर ध्यान दिया जाए तो वे आगे बढ़ेंगे। जम्मु-कश्मीर सरकार में सहायक इंजीनियर के तौर पर कार्यरत समीउल्लाह बेग ने आईएनएस से खास बातचीत की और कई अहम सवालों के जवाब दिए।

सवाल: आपने 2022 में कहा था कि औकिब नबी पर नजर रखनी चाहिए। अब उन्हें जसप्रीत बुमराह की जगह भारतीय टेस्ट टीम में जगह दी गई है। अपनी भविष्यवाणी को सच होते देखकर कैसा लग रहा है? जवाब: हां, 2022 में, मैंने श्रीनगर के जेकेसीए



का झंडा लेकर लौटने के बाद, मैंने मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल और अन्य मंत्रियों से मुलाकात की। यह मौका और भी खास हो गया, क्योंकि इसमें गुजरात के बेहतरीन खिलाड़ी भी शामिल हुए, जिन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन करके राज्य और देश का मान बढ़ाया। जैसे-जैसे अहमदाबाद 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, इन

श्रीलंका क्रिकेट अवार्ड्स 2025में एसएलसी 42 क्रिकेटरों को सम्मानित करेगी

कोलंबो,

श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) द्वारा शुक्रवार को कोलंबो में वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में वर्ष 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाले पुरुष और महिला क्रिकेटरों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह के दौरान अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले 42 क्रिकेटरों को सम्मानित किया जाएगा। सबसे ज्यादा उस्सुकता पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर और महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार को लेकर है। सभी फॉर्मेट में अन्य बड़े अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों में श्रेष्ठ बल्लेबाज, श्रेष्ठ गेंदबाज बॉलर, श्रेष्ठ ऑल-राउंडर के साथ ही वर्ष के उभरते महिला और पुरुष क्रिकेटरों का पुरस्कार भी शामिल है।

गोल्फ: दीक्षा डागर लंदन चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी

लंदन,

दीक्षा डागर 2 मिलियन डॉलर की लंदन चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी। हर्टफोर्डशायर के सेंचुरियन क्लब में 6-9 अगस्त तक आयोजित होने वाले इस टूनार्मंट के साथ लेडीज यूरोपियन टूर (एलईटी) का यूनाइटेड किंगडम लेग अपने आखिरी हफ्ते में प्रवेश कर रहा है दीक्षा के साथ 120 खिलाड़ी इस टूनार्मंट में हिस्सा लेने जा रहे हैं, जिनमें अदिति अशोक, प्रणवी उर्स और रूकी (नए खिलाड़ी) अवनि प्रशांत भी शामिल हैं। चारों खिलाड़ी एलईटी सीजन के आखिरी दौर में अपनी लय बनाए रखने की कोशिश करेंगी। दीक्षा दो बार एलईटी खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। वह 2026 में टूर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली



खिलाड़ियों में से एक रही हैं। पिछले हफ्ते एआईजी विमेंस ओपन में कट से बाहर होने के बावजूद, दीक्षा ह्याएलईटी रेस टू कोस्टा डेल सोल स्टैंडिंग में आठ-वें स्थान पर हैं। वह फिलहाल सबसे ऊंची रैंकिंग वाली भारतीय हैं। दीक्षा अपने तीसरे एलईटी खिताब की तलाश में हैं। साल 2023 में टॉप-3 में रहने वाली दीक्षा ऑर्डर ऑफ मेरिट पर अपने

बावजूद भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। भारत चौथे स्थान पर रहा। खासतौर पर मैं महिला शक्ति का अभिनंदन करना चाहता हूं। भारत के मुक्के की ताकत पूरी दुनिया ने देखी है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का आयोजन अहमदाबाद में होगा। ग्लासगो कॉमनवेल्थ 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी में ये फ्लैग भारत को सौंपा गया। आज गुजरात के पैरा एथलीट्स और ग्लासगो कॉमनवेल्थ के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को यह फ्लैग सुपुर्द किया है। उन्होंने कहा, गुजरात के स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यवस्था सिर्फ गुजरात के युवाओं तक ही सीमित नहीं है। भारत के सभी खिलाड़ियों का अहमदाबाद में हमेशा स्वागत है। कोई भी खिलाड़ी जिसे गुजरात के स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करना है, उसके लिए हमारे दरवाजे हमेशा

खुले हैं। भारत के किसी भी राज्य के खिलाड़ी का हम अपने भाई-बहन के तौर पर हमेशा स्वागत करते हैं। ये व्यवस्था देश के हर एक युवा के लिए है, जो देश का तिरंगा शान से दुनिया में लहराते हैं। मैं ऐसे सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा, हम सब एक हैं और एक होकर देश के कोने-कोने से युवा खिलाड़ियों को सहयोग करेंगे। कोई खेल ऐसा होगा, जिसके लिए गुजरात में बेहतरीन इकोसिस्टम होगा, तो कोई ऐसा खेल होगा, जिसके लिए राजस्थान में इकोसिस्टम अच्छा होगा। किसी खेल को लेकर महाराष्ट्र में इकोसिस्टम अच्छा हो सकता हैद्व प्रधानमंत्री ने कैबिनेट में सभी खिलाड़ियों का भविष्य उज्ज्वल करने के लिए खेलो इंडिया का बजट 8 गुना बढ़ाने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है।

चैंपियंस की सफलता उस खेल भावना को दर्शाती है जो इस ऐतिहासिक सफर की पहचान बनेगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान हर्ष संघवी ने कहा, पीएम मोदी के मार्गदर्शन में देश के हर राज्य में पिछले कई वर्षों से एक के बाद एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ते आए हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में कई महत्वपूर्ण गेम्स के न होने के



एसएलसी मुख्य कार्यकारी अधिकारी एश्वे दी सिल्व्वा ने कहा, हमें वार्षिक श्रीलंका क्रिकेट अवार्ड्स 2025 आयोजित करते हुए बहुत खुशी हो रही है। समारोह 2025 सीजन के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्र्पित है। घरेलू सर्किट में, प्रथम श्रेणी क्रिकेट में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने

वाले बल्लेबाजों, गेंदबाजों, ऑल-राउंडरों और मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) को ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। मेजर क्लब श्री-डे टूनार्मंट, मेजर पुरुष 50-ओवर टूनार्मंट, मेजर क्लब महिला 50-ओवर टूनार्मंट और मेजर क्लब टी20 टूनार्मंट की चैंपियन टीमों को भी सम्मानित

किय जाएगा। इसके अलावा, श्रीलंका क्रिकेट चार लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड्स देगा। इसके तहत दो क्रिकेट दिग्गजों के साथ-साथ दो जानी-मानी मीडिया हस्तियों को खेल में उनके लंबे समय तक योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। मैच अधिकारियों की अहम भूमिका को पहचानते हुए, बोर्ड इस सेरेमनी के दौरान अंपायर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड भी देगा, जिसमें शीर्ष प्रशासक, पुराने अंतरराष्ट्रीय स्टार और जाने-माने मेहमानों के एक ही जगह इकट्ठा होने की उम्मीद है। श्रीलंका में फिलहाल क्रिकेट का रोमांच चरम पर है। एक तरफ, देश में लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) खेली जा रही है, तो दूसरी तरफ, 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम वहां पहुंच चुकी है।

स्टैंडिंग में टॉप-60 में शामिल हैं। लंदन चैंपियनशिप लगातार छठे साल सेंचुरियन क्लब में आयोजित हो रही है, जिसमें कई देशों के खिलाड़ी 2 मिलियन डॉलर की इनामी राशि के लिए 72 होल्स तक मुकाबला करेंगे। 36 होल्स के बाद टॉप-60 प्रोफेशनल खिलाड़ियों और टाई (बराबर स्कोर वाले खिलाड़ियों) के लिए कट लागू होगा। पिछले साल अपना पहला एलईटी खिताब जीतने वाली जर्मनी की लॉरा फनफस्टक इस बार अपने खिताब का बचाव नहीं करेंगी, क्योंकि वह मातृत्व अवकाश पर हैं। इस टूनार्मंट में इंग्लिश स्टार चार्ली हल सबसे आगे हैं, जो फिलहाल वर्ल्ड नंबर-6 खिलाड़ी हैं और 2026 पीआईएफ सक्रमी लेडीज इंटरनेशनल की विजेता भी रही हैं।

स्टैंडिंग में टॉप-60 में शामिल हैं। लंदन चैंपियनशिप लगातार छठे साल सेंचुरियन क्लब में आयोजित हो रही है, जिसमें कई देशों के खिलाड़ी 2 मिलियन डॉलर की इनामी राशि के लिए 72 होल्स तक मुकाबला करेंगे। 36 होल्स के बाद टॉप-60 प्रोफेशनल खिलाड़ियों और टाई (बराबर स्कोर वाले खिलाड़ियों) के लिए कट लागू होगा। पिछले साल अपना पहला एलईटी खिताब जीतने वाली जर्मनी की लॉरा फनफस्टक इस बार अपने खिताब का बचाव नहीं करेंगी, क्योंकि वह मातृत्व अवकाश पर हैं। इस टूनार्मंट में इंग्लिश स्टार चार्ली हल सबसे आगे हैं, जो फिलहाल वर्ल्ड नंबर-6 खिलाड़ी हैं और 2026 पीआईएफ सक्रमी लेडीज इंटरनेशनल की विजेता भी रही हैं।



जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। औकिब की कलाइयों में जादू है, और क्रिकेट की दुनिया थोड़ी मददगार स्थिति में भी उसकी रिकल देखकर सच में हैरान रह जाएंगी, हालांकि श्रीलंका उसके डेब्यू के लिए जरूरी नहीं कि सही जगह हो। सवाल: श्रीलंका की सूखी, धीमी पिचें हमेशा से उन सीमर को इनाम देती हैं जो अनुशासन में रहकर गेंदबाजी करते हैं और हल्का मूवमेंट निकालते हैं। रणजी ट्रॉफी में फ्लैट डेक और दम घोटने वाली नमी में नबी की सफलता को देखते हुए, आपको क्या लगता है कि वह गॉल या कोलंबो में सफल होने के लिए किन्ना तैयार है? जवाब: गॉल और कोलंबो दोनों ही हमेशा से तेज गेंदबाजों के लिए सही नहीं रहे हैं।

पिच या तो बहुत फ्लैट या स्क्वायर टर्नर होती हैं। कोई भी तेज गेंदबाज ऐसे हालात में अपना डेब्यू करना पसंद नहीं करेगा। अगर औकिब को मौका मिला तो टीम को संतुलन देगे। वह नई गेंद से कम ओवर बेहतरीन साबित हो सकते हैं। सवाल: आपने पहले भी कहा है कि आप क्षेत्रिय टीम के लिए ड्रिंस्स ले जाते थे, क्योंकि परंपरागत पावरहाउस राज्यों के खिलाड़ी ज्यादातर प्लेइंग इलेवन में होते थे। औकिब के टेस्ट टीम में होने और हाल ही में जेके के छह खिलाड़ियों के दलीप ट्रॉफी के लिए नॉर्थ जोन टीम में शामिल होने से, क्या आपको लगता है कि पक्षपात अब कम है? जवाब: नहीं, सिरस्टम के पक्षपात को दूर करने में बहुत समय लगता है। यह एक अंदरूनी पक्षपात है। हालांकि लाइव ब्रॉडकास्ट और जेके के रणजी ट्रॉफी जीतकर इतिहास रचने से मदद मिली है, मेरा मानना ​​है कि जम्मु-कश्मीर के खिलाड़ियों को चुनने के मामले में चयनकर्ता और जरूरी लोगों की सोच अभी भी उस रुकावट से उबर नहीं पाई है। अगर ऐसा नहीं होता, तो औकिब को इंग्लैंड, वेस्टइंडीज या अफगानिस्तान टूर के लिए चुना जाना चाहिए था, या कम से कम

श्रीलंका सीरीज के लिए पहली पसंद की टीम में चुना जाना चाहिए था। सवाल: कोच अजय शर्मा ने बताया कि जम्मु-कश्मीर (जेके) के क्रिकेटरों को पहले दिलीप ट्रॉफी के लिए सिर्फ ह्यकोटा प्लेयर्सह के तौर पर चुना जाता था। अगर पुराने खिलाड़ी के तौर पर, आपके लिए यह देखना क्या मायने रखता है कि जेके के खिलाड़ी अब अकेले ही अपनी टीम को रणजी ट्रॉफी जिता रहे हैं और अपनी काबिलियत के दम पर दिलीप ट्रॉफी में जगह बना रहे हैं? जवाब: कोच अजय शर्मा का यह बयान बिल्कुल दिखाता है कि देश के इस हिस्से के क्रिकेटरों के प्रति भेदभाव अभी भी खत्म नहीं हुआ है। कभी कोई कोटा सिस्टम नहीं था। अगर ऐसा होता, तो मुझे कम से कम दो ऐसे मौके याद हैं जब रणजी ट्रॉफी के लीग राउंड में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला खिलाड़ी होने के बावजूद मुझे नहीं जोन टीम के लिए नहीं चुना गया था। सीधे शब्दों में कहें तो, चयनकर्ता हमारे प्रदर्शनों के गंभीरता से नहीं लेते थे। मुझे लगता है कि ज्यादा कुछ नहीं बदला है। सवाल: जम्मु-कश्मीर के पुराने खिलाड़ी अरुल कयूम और मोहम्मद मुदासिर ने प्रदेश में तेज

गेंदबाजी के बारे में बहुत कुछ कहा है। वहां के क्रिकेट माहौल में ऐसा क्या है जो इतने जबरदस्त तेज गेंदबाज तैयार करता है?जवाब: तेज गेंदबाजी जीन और पैशन से जुड़ी है। यहाँ, हम नैचुरली अच्छी बॉडी वाले होते हैं और बहुत कम उम्र से ही तेज गेंदबाजी को लेकर उत्साही होते हैं। हमारी डाइट और मौसम एक तेज गेंदबाज को समय और लंबे समय तक टिके रहने के लिए जरूरी स्टैमिना और ताकत बनाने में मदद करते हैं। हमारे ज्यादातर अच्छे तेज गेंदबाज लगभग एक दशक से ज्यादा समय से खेल रहे हैं। आबिद नबी और मैंने सीनियर रणजी टीम के लिए लगभग 16 से 17 साल तक खेला। सवाल: कुछ साल पहले, आपने कहा था कि जम्मु-कश्मीर को अपने तेज गेंदबाज की सोने की खान का सही फायदा उठाने के लिए, बीसीसीआई और जे-केसीए को एक परमानेंट तेज गेंदबाजी कोच और प्रशिक्षक नियुक्त करने की जरूरत है। पहले उमरान और अब औकिब के आने से, क्या वह जरूरत पूरी हो गई है, या खिलाड़ी अभी भी ज्यादातर रॉ टैलेंट और शॉर्ट-टर्म मेंटरशिप पर निर्भर हैं?



व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ

ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटके नहीं। जब झड़व करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलाने दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं— शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत सकती हैं। लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना— ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है। सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती। इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं। यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है। संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं। हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढ़कर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय-समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं। इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली की ओर बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो-चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वहीं होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आपको कोई बेहतरीन आईडिया मिलता है तो आप अपने आप से पुष्टि कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागू करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिए।



अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीदें ट्रेंडी जींस

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रेस है, जो हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी है कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी.

रिड जींस

रिड जींस एक दशक से फैशन ट्रेंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रेस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिड जींस न हो। एक दशक पहले ट्रेंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनती तो उसे ब्लेड से कट करके रिड जींस का लुक दे सकती हैं। रिड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टायलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लुज साइज की वजह से काफी कंफर्टेबल होती है। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रेंड लौट आया है। यही वजह है कि सेलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर है। ट्रेवलिंग के दौरान या कहीं आने-जाने के लिए एक्ट्रेस इसे कैरी किए

नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सेलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग-अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी युनिक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो-हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही विलियर है कि ये जींस कैसी होगी। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उनकी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।



ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जाती। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारो'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।



बचत और निवेश का

अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसे को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिल्कुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यही मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।

अपनी बचत और निवेश को

ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है। भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए। कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे। अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी

अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसें से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

बढ़ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

अपने पैसे को अलग-अलग

जगह न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।



क्यों खराब हो जाता है आपका फिज

क्या आपका भी फिज बार- बार खराब हो जाता है? कई लोग को पता भी नहीं होता कि उनका फिज किन गलतियों के कारण खराब हो गया है। ऐसे में आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताने वाले हैं कि कैसे आप अपने फिज को खराब होने से बचा सकती है।

कई बार हमारी छोटी गलती के कारण हमारा काफी बड़ा नुकसान हो जाता है। क्या आपको भी फिज बार- बार खराब हो जाता है? कई लोग को पता भी नहीं होता कि उनका फिज किन गलतियों के कारण खराब हो गया है। ऐसे में आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताने वाले हैं कि कैसे आप अपने फिज को खराब होने से बचा सकती है। साथ ही यह भी बताने वाले हैं कि फिज कैसे खराब हो जाता है।

सफाई सही से करें

कई बार फिज में कोई सामान गिर जाता है और हम इसकी सफाई सही तरीके से नहीं करते हैं। फिज की सफाई सही तरीके से करना काफी ज्यादा जरूरी है। ऐसे में फिज में फंगस लग जाता है और मिनटों में हमारा महंगा फिज खराब होने लगता है और हमें पता भी नहीं चलता। कई बार हम इसके लिए कंपनी में शिकायत करते हैं। इस दौरान गलती किसी और की नहीं बल्कि हमारी ही होती है। कई बार हम फिज में जरूरत से ज्यादा सामान रख देते हैं। ऐसे में भी हमारा फिज खराब हो जाता है। फिज की सही तरीके से कैयर करने के लिए आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा। अगर आप ज्यादा सामान रखती हैं तब भी आपका फिज खराब हो सकता है।

फिज को लंबे समय तक खुला न छोड़ें

कई बार हम फिज को लंबे समय तक खुला छोड़ देते हैं। इसके कारण भी हमारा फिज खराब हो जाता है। अगर आप भी अपने पैसे फिज के रिपेयरिंग में बर्बाद नहीं करना चाहती हैं तो आपको इन बातों का खास ख्याल रखना होगा।

बाहर जाते वक्त फिज बंद ना करें

अगर आप बाहर जाने का प्लान बना रही है तो आपको अपने फिज को पूरे तरीके से बंद नहीं करना चाहिए। कई बार इसके कारण भी फिज खराब हो जाता है। आगे से आपको इस बात का खास ख्याल रखना होगा। थोड़ी सी बिजली बचाने के चक्कर में हमारा काफी ज्यादा नुकसान हो जाता है।

प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम के खिलाफ शिक्षक कर्मचारियों में आक्रोश आर एम कॉलेज में संघर्ष मोर्चा ने काला बिल्ला लगाकर किया प्रदर्शन

नवप्रदेश/सहरसा। भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा की अंगीभूत इकाई राजेंद्र मिश्र कॉलेज में शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के बैनर तले सरकार के प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम 2026 के खिलाफ आक्रोश जताते हुए जमकर नारेबाजी की गई।प्रस्ताव के खिलाफ शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के राज्यव्यापी आह्वान पर आयोजित इस चरणबद्ध आंदोलन के पहले दिन परिसर में



सरकार विरोधी नारेबाजी की गई और शिक्षकों व कर्मचारियों ने बांहों पर काला बिल्ला बांधकर अपना विरोध दर्ज कराया। संघ के विश्वविद्यालय अध्यक्ष डॉ. सुभाष प्रसाद सिंह, शिक्षक नेता डॉ. कमलेश कुमार सिंह, डॉ. आनंद कुमार झा, डॉ. संजीव कुमार झा

राजेंद्र मिश्र कॉलेज पहुंचे। शिक्षक नेताओं ने कहा कि सरकार उच्च शिक्षण संस्थाना की स्वायत्तता पर सीधा प्रहार कर रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव से निर्णय लेने का अधिकार सीधे सरकार के हाथों में चला जाएगा, जो शिक्षा प्रणाली और स्वायत्तता के लिए एक बड़ा

खतरा है। उन्होंने बताया कि यह आंदोलन लंबी और योजनाबद्ध लड़ाई की शुरुआत है। इसके तहत पांच अगस्त से आठ अगस्त तक सभी शिक्षक और कर्मचारी बांह पर काला बिल्ला लगाकर शांतिपूर्ण ढंग से अपने शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों का निष्पादन करेंगे। 10

अगस्त को सभी कर्मी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे और विश्वविद्यालय मुख्यालय में पहुंचकर कुलपति को विरोध ज्ञापन सौंपेंगे। 11 अगस्त से 25 अगस्त तक प्रतिदिन दोपहर 1.30 बजे से 2.00 बजे तक कार्यस्थल पर विरोध प्रदर्शन व नारेबाजी की जाएगी। 5 सितंबर (शिक्षक दिवस) के दिन छात्र-छात्राओं और अभिभावकों के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित कर कानून की कमियों से अवगत कराया जाएगा। प्रदर्शन में शामिल शिक्षकों ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार ने स्वायत्तता में दखल देने वाला विधेयक वापस नहीं लिया, तो चरणबद्ध आंदोलन

को अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदला जा सकता है। मौके पर डॉ. इंद्रकांत झा, डॉ. कविता कुमारी, डॉ. पूजा कुमारी, डॉ. शुभा पांडे, डॉ. कुमारी अपर्णा, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. प्रवीर घोष, डॉ. रामानंद रमन, डॉ. आरती रानी, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. मंसूर आलम, डॉ. डेजी कुमारी, डॉ. अश्वय कुमार चौधरी, डॉ. पंकज कुमार यादव, डॉ. सौरभ पांडे, डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. अस्मरारुल हक, डॉ. संजय कुमार, सुशील कुमार झा, आलोक कुमार मिश्रा, आशुतोष कुमार झा, नंदकिशोर, डॉ सुदीप कुमार झा सहित अन्य मौजूद रहे।



अररिया-दरभंगा-मधेपुरा-पूर्णिया NH-27 बनेगा चकाचक, लोगों में खुशी की लहर , वाहन चालक गदगद

नवप्रदेश/अररिया। रोड के बिगड़ी हालत और वाहन दुर्घटना को देखते हुए ,सुपौल। अररिया, दरभंगा, मधेपुरा और पूर्णिया को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग/27 (एनएच-27) पर सड़क मरम्मत एवं ओवरले का कार्य तेजी से जारी है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के निर्देश पर रफ़्त उर्वक एंजेंसी पूरी मजबूती और गुणवत्ता के साथ रोड रिपेयरिंग एवं ओवरले का काम कर रही है। भारी बारिश और गर्जन के बीच बरसात के मौसम के बावजूद निर्माण कार्य लगातार जारी है। सड़क पर नई डामर की परत (ओवरले) बिछाई जा रही है, जिससे हाईवे पहले की तुलना में अधिक मजबूत, सुरक्षित और सुगम बनेगा। इससे रोजाना सफर करने वाले हजारों यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी और वाहनों का आवागमन तेज व आरामदायक होगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की मरम्मत की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अब ठलठकद्वारा शुरू किए गए इस कार्य से लोगों में खुशी की लहर है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि काम पूरा होने के बाद यात्रा का समय कम होगा, सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी और क्षेत्र के व्यापार तथा आवागमन को भी नई गति मिलेगी , इसको लेकर के आसपास वाहन चालकों के बीच खुशी की लहर देखी गई है,

सांप के काटने से गाय की मौत, पशुपालक को हुआ आर्थिक नुकसान

नवप्रदेश/लौरिया संवाददाता। लौरिया प्रखंड की बरया काला सिसवनिया पंचायत में सांप के काटने से एक दुधारा गाय की मौत हो गई। घटना के बाद पशुपालक के परिवार में मायूसी का माहौल है। मृत गाय के मालिक मुरलीधर मिश्र ने बताया कि उनकी गाय पूरी तरह स्वस्थ थी। बुधवार को आनातक उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। आसपास के लोगों ने आशंका जताई कि गाय को सांप ने काट लिया है। काफी प्रयास और उपचार के बावजूद गाय की जान नहीं बचाई जा सकी।मुरलीधर मिश्र ने बताया कि गाय उनके परिवार की आजीविका का प्रमुख साधन थी। उसकी मौत से उन्हें भारी आर्थिक क्षति हुई है। उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने भी पशुपालक के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सरकार से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में सांप निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं, जिससे पशुओं और लोगों की सुरक्षा को लेकर खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाने तथा आवश्यक एहतियाती उपाय सुनिश्चित करने की भी मांग की है।

कृष्णा ग्लोबल स्कूल परिसर में विद्यार्थियों ने किया पौधारोपण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश



नवप्रदेश/ सहार (भोजपुर)। कृष्णा ग्लोबल स्कूल, राजदेव नगर, पेरहाप के विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विद्यालय के मैदान में विभिन्न प्रकार के छायादार एवं फलदार पौधे लगाए तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि एक पेड़ अनेक जीवनों को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए प्रत्येक छात्र-छात्रा को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना और उसकी देखभाल करना चाहिए। विद्यालय के निदेशक श्री सतीश शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि आज हम अधिक से अधिक वृक्ष लगाएंगे, तभी अने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ हवा, शुद्ध वातावरण और सुरक्षित भविष्य मिल सकेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने एक छात्रझण्डक पौधा अभियान को सफल बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहे।

आमने-सामने भिड़ी दो हाईवा, चालक गंभीर रूप से घायल

नवप्रदेश/रोहतास: थाना क्षेत्र के बंजारी दुर्गा मंदिर के समीप डेहरी-रोहतास एनएच-119 पर बुधवार को दो हाईवा के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि एक हाईवा का चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने बिना समय गवाए राहत कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद हाईवा का शीशा तोड़कर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद घायल चालक को एंबुलेंस की सहायता से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रोहतास पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, सासाराम रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों हाईवा तेज रफ्तार में चल रही थी। इसी दौरान एक वाहन के चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे सामने से आ रही दूसरी हाईवा से उसकी सीधी टक्कर हो गई। हादसे में दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मोर्चे पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सामान्य कराने की कार्रवाई शुरू की। हादसे के बाद कुछ समय तक एनएच-119 पर आवागमन प्रभावित रहा।

बांकीपुर की हार के बाद राजद में बढ़ा सियासी घमासान पप्पू यादव का हमला, भाई वीरेंद्र-शक्ति यादव आमने-सामने

निरंकार भास्कर

नवप्रदेश/पटना: बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जन्मसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर की जीत और भाजपा के इस अहम सीट से बाहर होने के बाद बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। जहां एक ओर चुनावी नतीजों पर राजनीतिक दल मंथन में जुटे हैं, वहीं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के भीतर भी अंदरूनी बयानबाजी खुलकर सामने आने लगी है। पार्टी के नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है, जिससे संगठन में मतभेद की चर्चा भी जोर पकड़ने लगी है।उपचुनाव के नतीजों के बाद पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राजद नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि



में कमजोर हुआ है, जिसका असर चुनाव परिणामों में साफ दिखाई दिया।वहीं, राजद के मोरेर विधायक भाई वीरेंद्र ने भी पार्टी संघटन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए हार की जिम्मेदारी तय करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ

लोग नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नाम का इस्तेमाल कर निजी लाभ उठा रहे हैं, जिससे संगठन कमजोर हो रहा है। साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि जरूरत पड़ने पर वे कई अहम खुलासे भी कर सकते हैं।भाई वीरेंद्र के बयान पर राजद

प्रवक्ता शक्ति यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि पार्टी पूरी मजबूती के साथ विपक्ष की भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि संगठन को कमजोर करने वाले बयान देने के बजाय सभी नेताओं को पार्टी को मजबूत करने की दिशा में काम करना चाहिए। शक्ति यादव ने यह भी कहा कि राजद सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है और भ्रम फैलाने की कोशिश सफल नहीं होगी।इस बीच, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी बांकीपुर उपचुनाव के परिणाम पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने जन्मसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर को जीत की बधाई देते हुए इसे लोकतंत्र में जनता के विश्वास और भाजपा के खिलाफ जनमत

की जीत बताया। उन्होंने कहा कि लगातार संघर्ष करने वालों को ही जनता का समर्थन मिलता है।बांकीपुर उपचुनाव का परिणाम राजद के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। पार्टी प्रत्याशी रेखा कुमारी न केवल मुख्य मुकाबले से बाहर रही, बल्कि उनकी जमानत भी जब्त हो गई। दूसरी ओर, प्रशांत किशोर ने युवाओं और स्थानीय मुद्दों को केंद्र में रखकर चुनाव प्रचार किया, जिसका लाभ उन्हें मतदान में मिला। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि राजद समय रहते अपनेसंगठनात्मक मतभेदों और आंतरिक चुनौतियों को दूर नहीं करता, तो आगामी चुनावों में पार्टी को और बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

रांची, गुरुवार , 06 अगस्त, 2026

एक नजर

चेहल्लुम का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से हुआ संपन्न, कोई अग्निय घटना नहीं



नवप्रदेश/बेतिया। जिला में चेहल्लुम का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ,इसके साथ ही यह पर्व हर्षउल्लास के माहौल मनाया गया,किसी जगह से भी किसीअग्निया घटना की सूचना नहीं है।शहर में पुलिस की चाकचीक बंद व्यदस्था,सभी चौकचौराहा पर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल की तैनाती, संवेदनशील,अति संवेदनशी,एवं सभी पूजा स्थलों,मंरिजद,मंदिर,गुरुद्वार पुलिस बल की तैनाती की गई थी।जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के द्वाराअखाड़ा नहीं निकलने, डीजे नहीं बजाने,लूकार नहीं भांजने की रोक लगाई गई थी। इसी कारणवश, सर्वजनिक जगह,मुख्य चौकचौराहो पर सेअखाड़ा नहीं गुजर सका। चेहल्लुम एवं मनाने वाले लोग, अपने-अपने घरों,मैदानों, शांतिपूर्ण स्थान परअपना अपना कर्तव्य दिखाकर मनाया। कुछ लोगअपना मातमी जुलुसश्रद्धापूर्ण निकाले है इस तरह देखा जाए तो यह चेहल्लुम पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन में भी चैन की सांस लिया।इस पर्व का ऐतिहासिक पृष्ठभूमि देखा जाए तो यह चेहल्लुम का पर्व,इस्लाम धर्म का एक प्रमुख पर्व है,जो हजरत इमाम हुसैनऔर कर्बला के शहीदों की शहादत के 40वीं दिन मनाया जाता है यह मोहम्मद के ठीक 40 दिन बाद यानी साफर महीने की 20 तारीख कोआता है।शहादत की याद 680 ईस्वी में कर्बला की जंग में पैगंबर मोहम्मद (सं०अं०) के नाती हजरत इमाम हुसैन नेअपने 72 साथियों के साथ सत्य,न्याय,अहिंसा के लिए जान दे दी थी। इस्लामी परंपरा में मृत्यु के 40 दिन पूरे होने पर शोक कीअवधि समाप्त होती है, दिग्गतआत्मा की याद में विशेष प्रार्थना की जाती है। इराक के कर्बला शहर स्थित इमाम हुसैन के कब्र पर दुनिया भर से लोग जमा होते हैं,विशेष प्रार्थना की जाती है।शहादत के 40 दिन बाद कर्बला की जंग में शहीद हुए इमाम हुसैन, उनके साथियों की शोक, उनकी याद का 40 वें दिन पूरा होने परअता है। इस्लामी तरीख में यह इस्लामी कैलेंडर के दूसरे महीने यानी साफर की 20वीं तारीख को मनाया जाता है।इसका उद्देश्य अन्याय के खिलाफ लड़ना, सन्न रखना,ईसानियत की भलाई करना है। इस दिन लोग मजलिस करते हैं, कुरान पढ़ते हैं,जुलूस, निफालते हैं,सीना पीटते हैं।गरीब लोगों को खाना खिलाते हैं,दान पुण्य करते हैं।

सफाई कर्मचारियों ने की बेतिया विधायक का घेराव अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी, कूड़ा कचरा का ढेर

नवप्रदेश/बेतिया। बेतिया नगर निगम एंव नगर निकाय के सभी सफाई कर्मचारियों की हड़तालआज सातवें दिन भी जारी रही।अपनी तीन सूत्री मांगों को लेकर आंदोलनरत कर्मियों ने बेतिया विधायक,बिहार सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री, रेणुदेवी केआवास का घेराव किया,उन्होंनेअपनी मंग के समर्थन में विधायक को एक ज्ञापन भी सौंपे।सफाईकर्मियों ने संवाददाता को बताया कि 30 जुलाई से इनका अनिश्चितकालीन हड़ताल चल रहा है,लेकिनअब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस पहल नहीं हुई है,इससे कर्मचारियों में भारी रोष है उन्होंने सरकार,नगर निगम प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है।स्थानीय विधायक,रेणु देवी ने हड़ताली कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि जल्द हीआपके जायजमांगों की पूर्ति की दिशा में नगर एवंआवास विभाग के अधिकारियों से फोन से बात करके कर्मचारियों के जायज मांगों सेअवगत कराया,इनकी जायज मांगों को शीघ्र पूरा करने की दिशा में कार्रवाई करने की बात कही।उन्होंने कहा कि शहर की सफाई में इनका अहम योगदान है। इन सफाई कर्मियों के अनिश्चिकालीन हड़ताल से पूरा शहर कूड़ाकचरा से भरा हुआ है,गंदगी,महक बढ़ू सेआम जनता बहुत परेशान है।कूड़ाकचरा का उठानो नहीं होने,नाली की सफाई नहीं होने से इस बरसात के मौसम में भारी परेशानी हो रही है। समस्त बेतिया नगर निगम के बाई की जनता तरसत है। बेतिया नगर निगम के सभी बाई की जनता सफाई कर्मचारियों के अनिश्चिकालीन हड़ताल उनके जायज मांगों को पूरा करने की मांग कर रही है।

हाजीपुर सदर अस्पताल से पुलिस को चकमा देकर फरार हुआ बाइक चोरी का आरोपी, हथकड़ी की रस्सी काटकर

नवप्रदेश/हाजीपुर (वैशाली)। वैशाली जिले के हाजीपुर सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के दौरान बाइक चोरी के एक आरोपी के पुलिस हिरासत से फरार होने का मामला सामने आया है। आरोपी ने हथकड़ी की रस्सी काटकर पुलिस को चकमा दिया और मौके से फरार हो गया।जानकारी के अनुसार, फरार आरोपी की पहचान बिदुपर थाना क्षेत्र निवासी अर्जुन कुमार के रूप में हुई है। उसे औद्योगिक थाना पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां उसने मौका पाकर हथकड़ी की रस्सी काटी और फरार हो गया।घटना के बाद पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया। आरोपी की तलाश में विभिन्न संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है।

पंचायत समितिवकी बैठक में जम कर ही होहल्ला

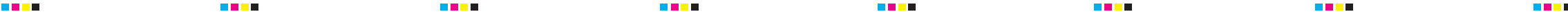
नवप्रदेश/प्रतिनिधि संडौली, बुधवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रखंड प्रमुख समीरचंद की अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक आहुल्यक हो गई. बैठक में लंबे समय तक संबंधित विभागीय अधिकारियों व पंचायत प्रतिनिधियों के बीच, विकास कार्य को लेकर होल्ल्ला होता रहा. मंडौली पंचायतवर्क मुखिया ने सुरिया खाद की काला बाजारी का मुद्दा उठाया, जिसके जवाब में प्रखंड कृषि पदाधिकारी विश्वकर्मा कुमार ने उत्तर देते हुए कहा कि अगर किसान उर्वरक विक्रेताओं के खिलाफ लिखित आवेदन देते हैं, तो उक्त विक्रेता के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. वहीं अमेठी विधानसभा केकर्मचारीय चन्द्रहंश कुमार ने बिजली की अस्थितिमाता की शिकायत संबंधित अधिकारी से किया. जवाब में बिजली विभागवके कनीय अभियंता प्रमोदित रक्त पटेल ने सदन में उपस्थित सदस्यों को जानकारी देते हुए, कहा कि बारिश व तेज हवा के कारण पेंच की रस्सी तार में सटने के कारण आपूर्ति बाधित हो जाती है. इसी प्रकार नल जल, मनरेगा, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत में रद्द होने पर प्रश्न खड़ा किया. वहीं दूसरे तरफ पत्र राशन कार्ड बनाने की जानकारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से जानकारी लिया. बैठक में बिजली विभाग के कनीय अभियंता, प्रमोदित रक्त पटेल, गौएखडी के कनीय अभियंता आदित्य नवीन, मनरेगा जेई अनिल कुमार, आनाबखड़ी प्रेशिका मुखिया कुमारी, बीडीओ प्रभा कुमारी, स्वास्थ्यकी पदाधिकारी देविका कुमार दीपांकर, मुखिया सीता कुमारी, मुखिया सुभाष अंत, बीडीसी नन्देन्द्र कुमार, अरुण कुमार सहित अन्य कई अधिकारी व प्रतिनिधि उपस्थित थे.

एसपी भानु प्रताप सिंह का त्वरित सज्ञान, मानसी थानाध्यक्ष को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश

नवप्रदेश/सुमलेश कुमार। खगड़िया। बेलदौर थाना क्षेत्र के कैजरी निवासी एवं पत्रकार सुमलेश कुमार ने मानसी थाना में अपने साथ दुर्योधनार किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक, खगड़िया को आवेदन देकर संबंधित पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार, 3 अगस्त 2026 की शाम लगभग 5 बजे सुमलेश कुमार अपने चोरी हुए मोबाइल से संबंधित पूर्व में दिए गए आवेदन की प्रमांति की जानकारी लेने मानसी थाना पहुंचे थे। उन्का आरोप है कि थाना परिसर में इयूटी पर तैनात पुलिसकर्मी कार्यालय की मेज एवं रजिस्टर पर नशता कर रहे थे तथा परिसर में के छिलके फेंककर गंदगी फैला रहे थे। उन्होंने पुलिसकर्मियों से कार्यालय की गरिमा बनाए रखने और स्वच्छता का ध्यान रखने का आग्रह किया। आरोप है कि इसी बात पर एसआई मुकेश कुमार, बीना कुमारी तथा दो-तीन चौकीदार नाराज हो गए और उनके साथ अमर्यादित व्यवहार किया। आवेदन में दावा किया गया है कि उन्हें कुछ समय के लिए हाजत में बंद कर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। पौडित का यह भी आरोप है कि इस दौरान कपका मोबाइल फोन, वस्त्रा, ब्लूटूथ, वाहन की चाबी तथा जेब में रखे दो दस रुपये के सिक्के अपने कब्जे में ले लिए गए। बाद में थाना अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद उन्हें हाजत में बाहर निकाला गया। आवेदन में सुमलेश कुमार ने कहा है कि उन्होंने पत्रकार होने के नाते केवल शांतीन व्यवहार और कार्यालय परिसर की स्वच्छता बनाए रखने की बात कही थी, जिसके बाद विवाद उत्पन्न हुआ। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक सवार की मौत, एक जख्मी

नवप्रदेश/ बिक्रमगंज- नटवार पथ पर थाना क्षेत्र के कोल्हा गांव के समीप बुधवार की शाम 5 :30 बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाईक सवार की घटना स्थल पर मौत हो गई, जबकि एक अन्य बुरी तरह जख्मी हो गया है। जख्मी को स्थानीय लोगों के सहयोग से अम्बुडेलीय अस्पताल बिक्रमगंज में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने स्थिति को गंभीर बताते हुए बनारस रेफर कर दिया है। मृतक की पहचान दिनारा थाना क्षेत्र के सैसड़ निवासी गुरुशंकर पाटक के 25 वर्षीय पुत्र मिश्रलेश पाटक के रूप में की गई है, जबकि जख्मी उसी गांव के विजय कुमार के पुत्र सोनू कुमार बताया जाता है। बताया जाता है कि दोनों बिक्रमगंज से हीरो बाईक खरीद कर घर वापस जा रहे थे। हालांकि इस मामले में पुलिस अभी तक कुछ भी स्पष्ट नहीं बता रही है। घटना की सूचना परिजनों को स्थानीय लोगों के द्वारा दे दी गई है।



संक्षिप्त खबरें

कैबिनेट सचिव सोमनाथन और गृह सचिव मोहन को मिला एक साल का कार्यविस्तार

नई दिल्ली। कैबिनेट सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन और गृह सचिव गोविंद मोहन को एक साल का कार्य विस्तार दिया गया है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने सेवा विस्तार को मंजूरी दी। बुधवार को अलग-अलग आदेश में इसकी जानकारी दी गई। कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन अगले साल 30 अगस्त और केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन अगले साल 22 अगस्त तक अपने पद पर बने रहेंगे। अर्थशास्त्र में पीएचडी प्राप्त पूर्व वित्त सचिव सोमनाथन ने 30 अगस्त 2024 को दो वर्ष के प्रारंभिक कार्यकाल के लिए पदभार ग्रहण किया था। वहीं, सिक्किम कैडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी गोविंद मोहन ने संस्कृति सचिव के रूप में कार्य करने के बाद अगस्त 2024 में यह पदभार ग्रहण किया था। यह उनकी प्रारंभिक सेवानिवृत्ति तिथि के बाद दूसरा कार्यकाल विस्तार है। उल्लेखनीय है कि डॉ. टी. वी. सोमनाथन 1987 बैच के तमिलनाडु कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। वे अर्थशास्त्र में पीएचडी, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कॉस्ट अकाउंटेंट और कंपनी सचिव हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्रालय, विश्व बैंक तथा तमिलनाडु सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। अर्थशास्त्र और लोक नीति पर उनकी तीन पुस्तकें तथा 80 से अधिक शोध लेख प्रकाशित हैं। वहीं, गोविंद मोहन इससे पहले गृह मंत्रालय में विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी), संस्कृति सचिव, अतिरिक्त सचिव तथा संयुक्त सचिव रह चुके हैं। वित्त मंत्रालय, कैबिनेट सचिवालय और अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास में भी उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। सिक्किम कैडर के आईएएस अधिकारी रहे गोविंद मोहन को प्रशासन, आर्थिक नीति और आंतरिक सुरक्षा का व्यापक अनुभव है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर एक किलो सोने के साथ दो महिला यात्री पकड़ी गईं

नई दिल्ली। सीमा शुल्क विभाग ने यहां के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तस्करी के एक मामले का भंडाफोड़ करते हुए दो महिला यात्रियों को पकड़ा गया है। उनके पास से लगभग एक किलोग्राम सोना भी बरामद किया गया। विभाग ने बुधवार को एक बयान में बताया कि इस्तांबुल से उड़ान संख्या 6ई-12 से नई दिल्ली पहुंचीं दो महिला यात्रियों को करस्टप्स ग्रीन चैनल पार करने के बाद रोका गया। एडवांस पेसेंजर इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एपीआईएस) के आधार पर प्रोफाइलिंग के बाद ऐसा किया गया। उनके सामान की एक्स-रे जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, लेकिन डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर से गुजरते समय दोनों यात्रियों के शरीर पर धातु होने का संकेत मिला। इसके बाद की गई विस्तृत व्यक्तिगत तलाशी में अधिकारियों ने लगभग एक किलोग्राम सोना बरामद किया। तस्करी के लिए सोने पर चांदी की बाहरी परत चढ़ाई गई थी और उसे पारंपरिक बाजुबंद के रूप में तैयार कर दोनों महिलाओं की ऊपरी भुजाओं पर इस तरह पहनाया गया था कि वह सामान्य आभूषण जैसा दिखाई दे।

डाक विभाग ने की, 36 दिल्ली के डाकघरों में राखी बुकिंग की विशेष व्यवस्था

नई दिल्ली। रक्षाबंधन से पहले दिल्ली से राखियों को देश के अलग अलग कोनों में पहुंचाने के लिए ने डाक विभाग ने विशेष व्यवस्था की है। डाक विभाग दिल्ली में 34 बड़े डाकघरों के साथ दिल्ली रेलवे स्टेशन और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में ट्रांजिट मेल कार्यालयों में 22 अगस्त तक विशेष राखी बुकिंग काउंटर स्थापित करेगा। संचार मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि डाक विभाग ने शाक्यों को अपनी 24 स्पीड पोस्ट और 48 स्पीड पोस्ट सेवाओं का अधिक से सेवाएं सुरक्षित और निर्धारित समय सीमा में डिलीवरी की सुविधा देती हैं। तय समय में डिलीवरी नहीं होने पर मनी बैक गारंटी का भी प्रावधान है। मंत्रालय ने बताया कि 24 स्पीड पोस्ट सेवा दिल्ली के 35 नामित बुकिंग केंद्रों पर उपलब्ध रहेगी। इसके जरिए दिल्ली से मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद सहित छह प्रमुख महानगरों में तेजी और सुनिश्चित समयसीमा के भीतर डाक पहुंचाई जाएगी। विशेष राखी बुकिंग की सुविधा अशोक विहार, सिविल लाईंस, चाणक्यपुरी, दिल्ली जीपीओ, नई दिल्ली जीपीओ, इंद्रप्रान, जनकपुरी, कृष्णा नगर, करेल बाग, कालकाजी, लोधी रोड, सरोजिनी नगर, आर.के. पुरम, रमेश नगर, रोहिणी, मायापुरी, मालवीय नगर, मेहरौली समेत कुल 34 प्रमुख डाकघरों में उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा दिल्ली रेलवे स्टेशन और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन स्थित ट्रांजिट मेल कार्यालयों में भी विशेष बुकिंग काउंटर बनाए जाएंगे।

जापान की बढ़ती सैन्य ताकत को लेकर उत्तर कोरिया ने 'और सैन्य विकल्पों' की दी चेतावनी

सियोल। उत्तर कोरिया ने जापान की बढ़ती सैन्य क्षमताओं और रक्षा तैयारियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए चेतावनी दी है कि वह अपनी सुरक्षा के लिए और सैन्य विकल्पों पर विचार करेगा। उत्तर कोरिया ने जापान पर दोबारा सैन्य शक्ति बढ़ाने की कोशिश का आरोप लगाया है। साथ ही, उत्तर कोरिया ने अमेरिका की भी आलोचना की है कि उसने टोक्यों को फिर से हथियारबंद होने की इजाजत दी है। दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप के मुताबिक उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने सरकारी मीडिया के माध्यम से जारी बयान में कहा कि जापान तेजी से एक युद्ध वाले देश में बदल रहा है। उन्होंने हाल ही में जापान द्वारा टोमाहॉक लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों के परीक्षण और फिलीपींस में अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य अभ्यासों में भागीदारी का हवाला देते हुए कहा कि यह उसकी सैन्य विस्तार की नीति का हिस्सा है। किम यो-जोंग ने आरोप लगाया कि जापान पहले हमला करने की क्षमता विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और उसकी सैन्य योजनाएं अब क्रियाचयन के चरण में पहुंच चुकी हैं। उन्होंने अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा कि वॉशिंगटन एशिया-प्रशांत क्षेत्र में जापान और दक्षिण कोरिया का इस्तेमाल अपने रणनीतिक हितों के लिए कर रहा है और इससे क्षेत्रीय सुरक्षा संतुलन प्रभावित हो रहा है। किम यो-जोंग ने कहा कि उत्तर कोरिया जापान की सैन्य गतिविधियों को नजरअंदाज नहीं करेगा और देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सेना तथा सैन्य नेतृत्व अतिरिक्त सैन्य विकल्पों की तैयारी करेगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब पूर्वी एशिया में सुरक्षा चुनौतियाँ और सैन्य गतिविधियों को लेकर तनाव लगातार बढ़ रहा है। हालाँकि, जापान और अमेरिका की ओर से उत्तर कोरिया के इन आरोपों पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने फिलिस्तीनी संगठनों पर \$655.5 मिलियन मुआवजे का फैसला बरकरार रखा

प्रधानमंत्री ने एनडीए के नये राज्यसभा सदस्यों से की मुलाकात, जनता से जुड़े रहने की सीख

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अपने आवास पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसदों के साथ नाश्ते पर बैठक की। हाल ही में अन्य दलों से एनडीए और भाजपा में शामिल हुए सांसद भी बैठक में मौजूद रहे। इनमें भाजपा अध्यक्ष नितिन गद्दीन, स्वाति मालिवाल, विनोद तावड़े, सुजीत कुमार, अलका गर्गुर, अशोक मि्तल, तरुण चुग सहित कई सांसद शामिल रहे। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने



सांसदों को संसद की कार्यवाही में निर्भीक रूप से उपस्थित रहने और सक्रिय भागीदारी निभाने की सलाह

दी। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में संयम, शिष्टाचार और गरिमापूर्ण आचरण बनाए रखने पर विशेष

जोर दिया। प्रधानमंत्री ने सांसदों से सोशल मीडिया और तकनीक का उपयोग

जिम्मेदारी तथा सावधानी के साथ करने को कहा। उन्होंने उन्हें लुटियंस दिल्ली के प्रभाव से बचने और जनता से जुड़े रहने की सीख भी दी। बैठक के बाद कई सांसदों ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री से मुलाकात के अनुभव साझा किए। उन्होंने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन, सादगी और प्रेरणादायी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए वे पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने के

लिए प्रतिबद्ध हैं। भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य नितिन गद्दीन ने अपने एकस हँडल पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि आज नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसदों के साथ आयोजित बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ सम्मिलित हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को नई गति देने और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए हम सभी पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं।

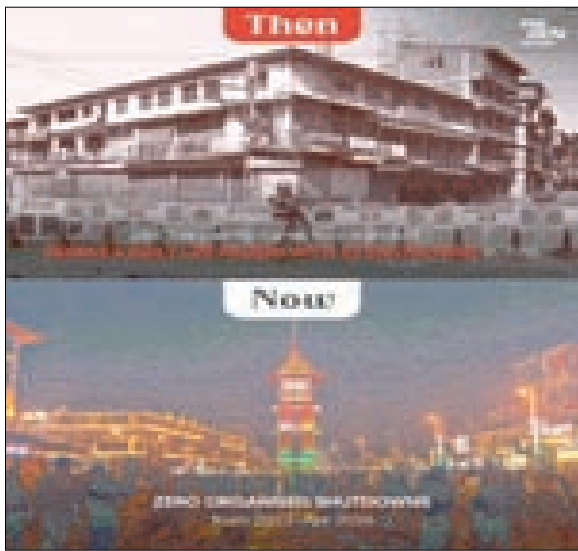
प्रधानमंत्री ने बुधवार को राजधानी कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने आपसी हितों से जुड़े मुद्दों और भारत की सहायता से श्रीलंका में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान दोनों देशों ने 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारतीय रुपये मूल्यवर्ग (आईएनआर) आधारित ऋण सहायता (लाइन ऑफ़ क्रेडिट) से जुड़े समझौतों का भी आदान-प्रदान किया। श्रीलंका स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि विदेश सचिव विक्रम मिसरी की राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ हुई बैठक में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने तथा भारत की सहायता से श्रीलंका में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के बाद दोनों पक्षों ने 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रुपये आधारित लाइन ऑफ़ क्रेडिट से संबंधित समझौतों का आदान-प्रदान किया। यह ऋण सहायता भारत की ओर से चक्रवात 'दिक्वाह' के बाद श्रीलंका को दिए गए 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के पुनर्निर्माण सहायता पैकेज का हिस्सा है। इन ऋण सहायता समझौतों का उपयोग चक्रवात के बाद पुनर्निर्माण कार्यों, आधारभूत ढांचा विकास और आवश्यक सामग्री की खरीद संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेक्षरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्रनाथ पांडेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं.-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)

अनुच्छेद 370 का हटना जम्मू-कश्मीर लद्दाख के विकास में नया अध्याय: प्रधानमंत्री

इस वर्ष 5 अगस्त का दिन और भी अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि इस वर्ष हमारा राष्ट्र डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से अनुच्छेद 370 की रुकावट हटने की आज 7वीं वर्षगांठ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर कहा कि सात वर्ष पूर्व अनुच्छेद 370 और 35(ए) इतिहास बन गए। इससे जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख के विकास में एक निर्णायक नया अध्याय शुरू हुआ। इससे जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख के लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है। इस वर्ष 5 अगस्त का दिन और भी अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि इस वर्ष हमारा राष्ट्र डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर दोनों केंद्रशासित प्रदेशों में आए बदलाव



का उल्लेख करते हुए कहा कि अब अवसरंचना का विस्तार हुआ है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता और खेल जैसे क्षेत्रों में अवसर बढ़े हैं। चाहे महिलाएं हों या हाशिए पर रहने वाले समुदाय, दशकों तक अपने मूलभूत संवैधानिक अधिकारों से वंचित रहे लोगों को भारत के संविधान के पूर्ण अनुप्रयोग के कारण सशक्त बनाया गया है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता के प्रति उनका आजीवन समर्पण पीढ़ियों को प्रेरित करता रहता है। दशकों पहले उन्होंने कल्पना की थी

और यह 5 अगस्त 2019 को ऐतिहासिक रूप से साकार हुई। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि सरकार जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख की प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है। हम चाहते हैं कि प्रत्येक नागरिक को बड़े सपने देखने, उन्हें साकार करने और एक विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का अवसर मिले। गृह मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि 370 की रुकावट हटने से जम्मू-कश्मीर में शांति का महौल पैदा हुआ है। अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद से कश्मीर में बहुत कुछ बदल गया है।

पत्थरबाजी अतीत की बात हो गई है। अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के सात साल बाद कश्मीर में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल हुई हैं। मंत्रालय के अनुसार 2022 से पत्थरबाजी की घटनाएं लगभग शून्य रहीं, 2023 से कोई बंद नहीं हुआ, 2024 में रिकॉर्ड 23 करोड़ पर्यटक आए, 18 जीआई-टैग प्राप्त हस्तशिल्प, चेनाब पुल, सोनमर्ग सुरंग, पहला वंदे भारत अभियान, पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन और कश्मीर के लिए कई अन्य ऐतिहासिक उपलब्धियां इस दौरान हुईं।

भाजपा ने कहा- राहुल गांधी नहीं चलने दे रहे संसद की कार्यवाही

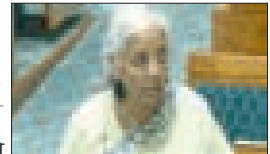
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं वर्षगांठ को देश के लिए र्गौरव का क्षण बताते हुए कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी संसद की कार्यवाही नहीं चलने दे रहे हैं और लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के बजाय लगातार गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं।

भाजपा मुख्यालय में आज आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि 5 अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संविधान में अस्थायी प्रवधान के रूप में शामिल अनुच्छेद 370 को समाप्त किया गया, जिससे संविधान की मूल भावना का सम्मान हुआ। उन्होंने कहा कि तत्कालीन गृहमंत्री अमित शाह ने सरदार वल्लभभाई पटेल की इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए इस ऐतिहासिक निर्णय को लागू किया।

उन्होंने संसद के मौजूदा गतिरोध को दो विचारधाराओं की लड़ाई बताते हुए कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हैं, जबकि दूसरी ओर राहुल गांधी देश को बांटने वाली राजनीति करते हैं और अराजक तत्वों का समर्थन करते हैं।

लोकसभा ने 'बैकर्स बुक्स एविडेंस बिल-2026' को ध्वनि मत से दी मंजूरी

लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित



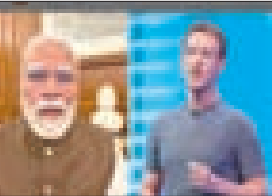
नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के बीच 'बैकर्स बुक्स एविडेंस बिल-2026' को ध्वनि मत से मंजूरी दे दी। साथ ही हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही 6 अगस्त को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। लोकसभा से पारित यह विधेयक बैकर्स बुक्स (बैंकों के रिकॉर्ड) से जुड़े सबूतों के लिए कानून बनाने और इसे आज के डिजिटल बैंकिंग तरीकों के अनुरूप बनाने, इसके साथ ही इससे जुड़े या उससे संबंधित मामलों के लिए प्रावधान करना है। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीताराम ने सोमवार को लोकसभा में 'बैकर्स बुक्स एविडेंस विधेयक-2026' पेश किया था। यह विधेयक औपनिवेशिक काल के 125 वर्ष पुराने बैंककार बही साक्ष्य अधिनियम-1891 का स्थान लेगा। इस विधेयक का मकसद बैंकों की किताबों से जुड़े सबूतों के लिए कानून बनाना और इसे आज के डिजिटल बैंकिंग तरीकों के अनुरूप बनाना है। विधेयक का लक्ष्य मौजूदा बैंकिंग सिस्टम की जरूरतों को पूरा करने के लिए कानूनी ढांचे को आधुनिक बनाना है। विधेयक में यह प्रावधान भी है कि बैंकर की किताब का इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड सबूत के तौर पर स्वीकार्य, मान्य और कानूनी रूप से लागू करने योग्य होगा।

जाकर बहस करना, तथ्यों के साथ सरकार को घेरना और जनता के मुद्दे उठाना है, लेकिन राहुल गांधी लोकतंत्र के मंदिर से दूर भागते हैं। उन्होंने राहुल गांधी के हालिया बयान पर भी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री के छात्रों को माफ करने के अधिकार पर सवाल उठाया था और भाजपा तथा आरएसएस की विचारधारा को रजहरीलौर बताया था। भाटिया ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी रमोदी फोबियार और आरएसएस फोबिया से ग्रस्त हैं और इसी कारण इस तरह के बयान देते रहते हैं।

उन्होंने राहुल गांधी के उस बयान पर भी सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के बच्चे सड़कों पर हैं। पार्टी ने कहा कि उसी समय झारखंड में युवा और छात्र कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन राहुल गांधी और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी। भाजपा ने झारखंड के मामले की सीबीआई जांच की मांग दोहराते हुए राहुल गांधी, हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल से इस पर अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की।

प्रधानमंत्री का वीडियो हटाने पर मार्क जुकरबर्ग को अल्टीमेटम, तीन दिन में माफी मांगें, नहीं तो होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 23 जुलाई का एक वीडियो फेसबुक से हटाने के मामले में संचार एवं सूचना संबंधी संसदीय समिति ने मेटा प्रमुख मार्क जुकरबर्ग से तीन दिन के भीतर बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। समिति ने कहा है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो मेटा को भारत में मिलने वाली कानूनी सुरक्षा एवं छूट वापस लेने पर विचार किया जा सकता है। संसदीय समिति ने बुधवार को मेटा के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग से बिना शर्त माफी की मांग की है। समिति ने कहा है कि यदि पत्र मिलने के तीन दिनों के भीतर माफी नहीं मांगी गई, तो सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की



धारा 79(3) के तहत उपलब्ध कानूनी सुरक्षा वापस लेने और उन्हें एक प्रकाशक के रूप में कार्रवाई के दायरे में लाने पर विचार किया जा सकता है। इसी मामले में सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और मेटा के अधिकारियों के बीच दो दिवसीय बैठक आज यहां शुरू हुई। सरकार ने मेटा की ग्लोबल टीम को भी दिल्ली बुलाया है। संसदीय समिति ने संचार एवं सूचना

प्रौद्योगिकी मंत्रालय को लिखे पत्र में कहा है कि यह निर्णय 03 अगस्त 2026 को आयोजित संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति की बैठक में लिया गया। बैठक में गृह मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा स्पीचट, गूगल, एक्स, मेटा और यूट्यूब के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। समिति ने प्रधानमंत्री मोदी के उस वीडियो को गंभीरता से लिया, जिसमें उन्होंने परीक्षा विवादों और पेपर लीक के खिलाफ सरकार की कार्रवाई के संबंध में छात्रों और जेन-जी को संबोधित किया था। समिति के अनुसार इस वीडियो को फेसबुक से लगभग 5-6 घंटे के लिए हटा दिया

गया था। बैठक में बाल यौन शोषण सामग्री और महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक सामग्री प्रसारित करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी चिंता जताई गई। समिति ने कहा कि यदि कोई इंटरमीडियरी प्लेटफॉर्म ऐसी सामग्री हटाने में विफल रहता है, तो उसके खिलाफ भी आईटी अधिनियम की धारा 79(3) के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अलावा, हैदराबाद साइबर पुलिस द्वारा निवेश धोखाधड़ी के एक मामले में गूगल इंडिया के प्रमुख को सह-आरोपी बनाए जाने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि फर्जी निवेश ऐप्स के जरिए उन्हें 48 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ।

भारत-श्रीलंका ने 35 करोड़ डॉलर की ऋण सहायता पर समझौतों का किया आदान-प्रदान

नई दिल्ली। श्रीलंका की एक दिन की यात्रा पर गए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बुधवार को राजधानी कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने आपसी हितों से जुड़े मुद्दों और भारत की सहायता से श्रीलंका में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान दोनों देशों ने 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारतीय रुपये मूल्यवर्ग (आईएनआर) आधारित ऋण सहायता (लाइन ऑफ़ क्रेडिट) से जुड़े समझौतों का भी आदान-प्रदान किया। श्रीलंका स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि विदेश सचिव विक्रम मिसरी की राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ हुई बैठक में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने तथा भारत की सहायता से श्रीलंका में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के बाद दोनों पक्षों ने 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रुपये आधारित लाइन ऑफ़ क्रेडिट से संबंधित समझौतों का आदान-प्रदान किया। यह ऋण सहायता भारत की ओर से चक्रवात 'दिक्वाह' के बाद श्रीलंका को दिए गए 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के पुनर्निर्माण सहायता पैकेज का हिस्सा है। इन ऋण सहायता समझौतों का उपयोग चक्रवात के बाद पुनर्निर्माण कार्यों, आधारभूत ढांचा विकास और आवश्यक सामग्री की खरीद संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा।